Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा,हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़ मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवन्बद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 153 | शुक्रवार, 12 जून-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक: विकसित भारत 2047 के लिए पीएम मोदी का विजन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार यानी आज नई दिल्ली में नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और प्रशासक, केंद्रीय मंत्री और नीति आयोग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र और राज्य मिलकर सहकारी संघवाद की भावना से देश के विकास को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को पूरा करने में सभी का साथ और सहयोग बहुत जरूरी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर भी लिखा कि सभी मिलकर भारत की विकास यात्रा को तेज करने के लिए काम कर रहे हैं।

विकसित भारत और समावेशी विकास पर जोर

'विकसित भारत' के हमारे साझा विजन को साकार करने में केंद्र और राज्यों के सामूहिक प्रयास अहम भूमिका निभाएंगे।'

इस वर्ष की बैठक की थीम ' विकसित भारत 2047 के लिए समावेशी मानव विकास ' रखी गई, जिसका उद्देश्य देश के हर नागरिक के समग्र विकास और कल्याण को सुनिश्चित करना है, चाहे वह किसी भी आयु वर्ग, क्षेत्र, लिंग या सामाजिक- आर्थिक पृष्ठभूमि से संबंधित हो।

शिक्षा और विकास रोडमैप पर चर्चा

बैठक में दिसंबर 2025 में आयोजित मुख्य सचिवों के 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन की प्रमुख सिफारिशों पर भी चर्चा की गई। इनमें प्रारंभिक बाल शिक्षा, स्कूली शिक्षा, भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के निर्माण हेतु कौशल विकास, उच्च शिक्षा को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था से जोड़ना तथा खेल और सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा देना जैसे विषय शामिल थे। इससे पहले नीति आयोग ने कहा कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्यों और केंद्र सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और समावेशी तथा टिकाऊ विकास के लिए साझा रोडमैप तैयार करना है। यदि केंद्र और राज्य मिलकर इन लक्ष्यों पर काम करते हैं, तो 'विकसित भारत 2047' का सपना साकार करने की दिशा में देश को नई गति मिल सकती है।

विकास, रोजगार और कौशल पर फोकस

बैठक में इस विजन को धरातल पर उतारने और नागरिकों तक इसके ठोस परिणाम पहुंचाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा की गई।
साथ ही ऐसे उपायों पर विचार किया गया, जिनसे देश में उद्यमिता को बढ़ावा मिले, कौशल विकास को मजबूती मिले और रोजगार के स्थायी अवसर सृजित किए जा सकें। गवर्निंग काउंसिल की बैठक में समावेशी मानव विकास के लिए चार प्रमुख स्तंभों पर विशेष ध्यान दिया गया। इनमें मजबूत मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल, उत्पादक रोजगार और उद्यमिता आधारित विकास, स्वास्थ्य एवं पोषण के साथ बेहतर जीवन स्तर, तथा सभी के लिए समान अवसर और गरिमा सुनिश्चित करना शामिल है।

सुशासन और समन्वय पर जोर

बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि विकास की योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे और राज्यों की विकास दृष्टि को राष्ट्रीय विकास दृष्टिकोण के साथ जोड़ा जाए। बैठक के दौरान विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुशासन, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई), विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, साझेदारी मॉडल और डेटा आधारित निर्णय प्रणाली को महत्वपूर्ण बताया गया। इसके अलावा, अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों की निगरानी के लिए एक व्यवस्थित तंत्र विकसित करने पर भी चर्चा हुई, ताकि योजनाओं की जवाबदेही सुनिश्चित हो और उनके परिणामों का सही आकलन किया जा सके।

मुश्किल समय में ममता का साथ नहीं छोड़ेंगे, शत्रुघ्न सिन्हा का बगावत करने से इनकार

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा स्थापित तृणमूल कांग्रेस (TMC) में अंदरूनी उथल-पुथल का एक अभूतपूर्व दौर चल रहा है। पिछले कुछ दिनों में वरिष्ठ नेताओं के इस्तीफे, विधायकों और सांसदों के बीच बागी गुटों का उभरना, कांग्रेस में विलय की अटकलें और संगठन के सामने नई चुनौतियां इन सभी ने मिलकर पार्टी की अंदरूनी एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक्टर से नेता बने शत्रुघ्न सिन्हा ने गुरुवार को कहा कि वह मुश्किल समय में टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी का साथ नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि जब वह मुश्किल दौर से गुजर रहे थे, तब ममता बनर्जी उनके साथ खड़ी थीं। आसनसोल से TMC सांसद ने कहा कि हो सकता है कि कुछ लोगों ने मजबूरी, डर या लालच की वजह से बनर्जी का साथ छोड़ दिया हो, लेकिन उनका उसूल है कि वह न तो पार्टी का साथ छोड़ेंगे और न ही पार्टी की नेता का। सिन्हा ने कहा कि मैं मुश्किल समय में ममता बनर्जी का

साथ नहीं छोड़ूंगा। जब पटना में चुनाव हारने के बाद मैं मुश्किल दौर से गुजर रहा था, तब वह मेरे साथ खड़ी थीं। लोकसभा सांसद ने इस बात पर जोर दिया कि बनर्जी एक 'स्ट्रीट फाइटर' (जमीनी नेता) हैं और पश्चिम बंगाल में आज भी उनका वोट शेयर 41 प्रतिशत है। उन्होंने राज्य में हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव का ज़िक्र किया, जिसमें टीएमसी को हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि मैं उन लोगों का आभारी हूं जिन्होंने मुझे टीएमसी के बागी गुट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, लेकिन मेरा सैद्धांतिक रुख यह है कि मुझे अभी ममता बनर्जी के साथ खड़ा होना चाहिए। फिलहाल, मैं अपना रास्ता नहीं बदलूंगा।

मणिपुर में विरोध प्रदर्शन: 6 नागा बंधकों के शव मिले, राज्य में तनाव चरम पर

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर में एक बार फिर हिंसा और तनाव की आग भड़क उठी है। लंबे समय से लापता छह नागा नागरिकों के शव बरामद होने के बाद पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शनों की लहर फैल गई है और माहौल बेहद संवेदनशील हो गया है।

मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ और असम राइफल्स के करीब 450 जवानों ने स्निफर डॉग्स और फोरेंसिक विशेषज्ञ दलों की मदद से लगभग 24 घंटे तक चले गहन सर्च ऑपरेशन के बाद बुधवार दोपहर छह लोगों के शव बरामद किए।

13 मई से शुरू हुआ था यह दर्दनाक सिलसिला

यह पूरा विवाद 13 मई 2026 को उस समय शुरू हुआ जब कांगपोकपी और सेनापति जिलों में कुकी और नागा समुदायों के सशस्त्र गुटों ने 48 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया।इस घटना की पृष्ठभूमि में कांगपोकपी में तीन चर्च नेताओं की घात लगाकर हत्या की गई थी, जो नागालैंड में कुकी और नागा समुदायों के बीच शांति वार्ता से लौट रहे थे।

14 कुकी बंधक रिहा, 6 नागाओं का इंतजार बना रहा

मंगलवार 9 जून को नागा संगठनों ने मानवीय आधार पर 14 कुकी बंधकों को रिहा कर दिया। यूनाइटेड नागा काउंसिल के अध्यक्ष एन. लोहरो ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि छह नागा पुरुषों को भी जल्द रिहा कर दिया जाएगा। लेकिन अगले ही दिन इन छह की लाशें मिलीं।

सड़कों पर उतरे लोग, राजमार्ग जाम

कोउब्रो रेंज लियांगमेई महिला संघ ने नेशनल हाईवे-2 पर नामडिलोंग गांव गेट पर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने राज्य और केंद्र सरकार दोनों पर बंधकों को बचाने के लिए पर्याप्त कदम न उठाने का आरोप लगाया।

13 मई की अपहरण घटनाओं के बाद से कुकी और नागा दोनों समूहों द्वारा आर्थिक नाकेबंदी लागू किए जाने से राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात भी बाधित है।

तीन साल से जल रहा मणिपुर

3 मई 2023 से अब तक मणिपुर में कम से कम 200 लोग मारे जा चुके हैं और 60,000 से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। घर, व्यापारिक प्रतिष्ठान, गाँव और पूजा स्थल जलाए, लूटे और तोड़े गए हैं। केंद्र सरकार ने 2025 में राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया था जिसे फरवरी 2026 में हटाया गया था।

'पक्षपाती और कानून के खिलाफ': राज्यसभा नामांकन रद्द होने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

मध्य प्रदेश। मध्य प्रदेश की राज्यसभा राजनीति में उस वक्त एक बड़ा कानूनी मोड़ आ गया, जब कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन ने चुनाव आयोग (EC) द्वारा अपना नामांकन रद्द किए जाने के फैसले को देश की शीर्ष अदालत में चुनौती दे दी। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाते हुए नटराजन ने रिटर्निंग ऑफिसर (RO) के आदेश को 'मनमाना, पक्षपाती और कानून के खिलाफ' बताया और इस मामले में अदालत से तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की है। नटराजन के इस कानूनी कदम से ठीक पहले, उनके नामांकन रद्द होने के कारण राज्य की तीसरी सीट पर भाजपा उम्मीदवार महेश केवट की निर्विरोध जीत लगभग तय मानी जा रही थी। अपनी याचिका में, नटराजन ने रिटर्निंग ऑफिसर के फैसले को 'मनमाना, पक्षपाती और कानून के खिलाफ' बताया है और सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि वह बिना देरी किए इस आदेश को रद्द करे। याचिका में तत्काल राहत की मांग की गई है और तर्क दिया गया है कि नॉमिनेशन रद्द करना कानूनी रूप से सही नहीं था और इसने चुनावी प्रक्रिया पर बुरा असर

डाला है। उम्मीद है कि नटराजन आज ही सुप्रीम कोर्ट में जल्द सुनवाई की मांग करेंगी। मध्य प्रदेश में तीन राज्यसभा सीटों के लिए 18 जून को होने वाले चुनाव में मंगलवार को एक नाटकीय मोड़ आया, जब नटराजन का नॉमिनेशन इस आरोप पर रद्द कर दिया गया कि उन्होंने अपने चुनावी हलफनामे में जानकारी छिपाई थी। यह आपत्ति बीजेपी उम्मीदवार महेश केवट ने जताई थी, जो तीसरी राज्यसभा सीट के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, राज्यसभा चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर अरविंद शर्मा ने फैसला सुनाया कि नटराजन ने अधूरा हलफनामा जमा किया था क्योंकि उन्होंने अपने नॉमिनेशन पेपर्स के साथ दाखिल फॉर्म 26 में कोर्ट में दर्ज एक शिकायत की जानकारी नहीं दी थी।

'गृहिणियां 'राष्ट्रनिमार्ता', इनके घरेलू काम की कीमत 30 हजार प्रतिमाह'; किस केस में आया आदेश?

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि सड़क हादसों में जान गंवाने वाली गृहिणियों के काम की कीमत कम से कम 30,000 रुपये महीना मानी जानी चाहिए। मुआवजे की गणना करते समय इस राशि को आधार करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा की कि गृहिणियों को राष्ट्र निमार्ता के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

देश भर में मोटर दुर्घटना के मामलों में मुआवजा तय करने के तरीके को बदलने वाले इस अहम फैसले में, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने होममेकर्स की काल्पनिक आय को कुशल मजदूरों की मजदूरी के बराबर मानने की पुरानी न्यायिक प्रथा को खारिज कर दिया।

जिसमें गृहिणियों की आय को कुशल मजदूरों की दिहाड़ी के बराबर माना जाता था। कोर्ट ने कहा कि घर के कामों की सामाजिक और आर्थिक अहमियत बहुत ज्यादा है। इसे केवल सामान्य मजदूरी के तराजू में नहीं तौला जा सकता। जस्टिस करोल ने फैसला सुनाते हुए कहा कि घरेलू देखभाल के नुकसान की भरपाई के लिए 30,000 रुपये का नया नियम बनाया गया है।

यह राशि 'प्रणय सेठी' केस में तय किए गए अन्य लाभों के अतिरिक्त होगी। यह मामला पंजाब की रेशमा नाम की महिला से जुड़ा है।

उनकी मौत नवंबर 2001 में एक सड़क हादसे में हुई थी। उनके पति और तीन बच्चों ने मुआवजे के लिए ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया था। ट्रिब्यूनल ने 2003 में फैसला दिया, लेकिन कानूनी लड़ाई वर्षों तक चलती रही। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने इस पर दिसंबर 2024 में फैसला सुनाया। हादसे के 23 साल बाद आए इस फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जताई।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि मोटर एक्सीडेंट से जुड़े दावों का निपटारा आमतौर पर एक साल के भीतर हो जाना चाहिए। कोर्ट ने सभी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से अनुरोध किया कि वे ऐसे मामलों की निगरानी करें। उन्होंने उचित प्रशासनिक निर्देश जारी करने को कहा ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके।

यह फैसला पूरे देश में मुआवजे के पुराने तरीकों को बदल देगा। अब तक अदालतें गृहिणियों की आय न्यूनतम मजदूरी के आधार पर तय करती थीं। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि घर के काम को सामान्य लेबर मार्केट के पैमानों से नहीं मापा जा सकता। इससे पहले भी 'कीर्ति बनाम ओरिएंटल इंश्योरेंस' और 'अरुण कुमार अग्रवाल' जैसे मामलों में कोर्ट ने कहा था कि गृहिणियों का योगदान अमूल्य है। नया फैसला मुआवजे की राशि को काफी बढ़ा देगा और पीड़ितों को आर्थिक मजबूती देगा।

टीएमसी का अंदरूनी घमासान: अब कल्याण बनर्जी ने ममता को दिया अल्टीमेटम, कहा- अभिषेक को चुनो या मुझे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के अंदर चल रहे संकट को और बढ़ाते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कट्टर वफादार कल्याण बनर्जी ने उनके भतीजे और पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी की आलोचना की है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि मैं ममता बनर्जी के साथ हूँ। लेकिन ममता दी को यह तय करना होगा कि वह अभिषेक को रखेंगी या मुझे। ममता दी को ही पहले यह तय करना होगा। ममता दी को पहले यह तय करना होगा कि वह अभिषेक बनर्जी के बिना पार्टी नहीं चला सकतीं। तब मैं वहाँ नहीं रहूँगा। कल्याण बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी की ओर से एक मामले में पेश होने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उक्ळसे जुड़ा यह मामला असल में पहले ही दायर किया गया था। उन्होंने इसे पहले ही फाइल कर दिया था। शुक्रवार को वेकेशन बेंच

बैठी थी और मैंने पूरे दिन इंतजार किया, लेकिन मामले पर सुनवाई नहीं हुई। उसके बाद, मैंने कोर्ट के सामने इसका ज़िक्र किया और जज ने कहा कि मामले की सुनवाई बुधवार को होगी। जैसा कि आप जानते हैं, मंगलवार को कैमक स्ट्रीट पर उनके घर और दीदी के ऑफि स में तलाशी ली गई थी। उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली से आया था और वहाँ भी गया था। तलाशी के दौरान मैं मौजूद था। फिर कल सुबह, मैंने जस्टिस कौशिक चंदा के सामने मामले का ज़िक्र किया और कहा कि यह जरूरी है। मैंने उनसे कहा कि तलाशी गैर-कानूनी थी।

भारत बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ और बीजीबी के बीच तीखी बहस, बांग्लादेश को आखिरकार वापस लेना पड़ा घुसपैठिया

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी द्वारा बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान अब देश की सुरक्षा, सीमाओं की गरिमा और भारत की जनसांख्यिकीय स्थिरता से जुड़ा राष्ट्रीय संघर्ष बन चुका है। दरअसल भारत की सीमाओं पर जिस तरह से लगातार घुसपैठ, अवैध बसावट, तस्करी और सीमा पार से अराजक गतिविधियां बढ़ रही हैं, उसने पूरे देश को झकझोर दिया है। अब समय आ गया है कि घुसपैठियों को साफ और कठोर संदेश दिया जाए कि भारत कोई धर्मशाला नहीं, बल्कि कानून और राष्ट्रहित से चलने वाला शक्तिशाली राष्ट्र है।

बंगाल के साथ ही मेघालय सीमा पर सामने आया घटनाक्रम इस पूरे संकट की भयावह तस्वीर दिखाता है। बांग्लादेश का रहने वाला 55 वर्षीय सती राजबंशी अवैध रूप से भारत में घुस आया था। सीमा सुरक्षा बल ने उसे पकड़ा और वापस बांग्लादेश भेजने की कार्रवाई की। लेकिन बांग्लादेश सीमा रक्षक बल ने उसे स्वीकार करने से इंकार कर दिया। दोनों देशों की सेनाओं के बीच तीखी बहस हुई और वह व्यक्ति घंटों तक नो मैन्स लैंड में फंसा रहा। वायरल वीडियो में साफ दिखा कि बांग्लादेशी अधिकारी खुद उससे उसकी पहचान पूछते रहे, जबकि भारत विरोधी प्रचार करने की कोशिश भी जारी रही। आखिरकार जब उसकी पहचान राजशाही जिले के निवासी के रूप में सिद्ध हुई, तब जाकर बांग्लादेश को उसे स्वीकार करना पड़ा। यह घटना साबित करती है कि घुसपैठ केवल सीमा पार का अपराध नहीं, बल्कि संगठित साजिश का हिस्सा बन चुकी है। सीमा से लगे मेघालय के गांवों में भी लोग अब सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। कई ग्रामीणों ने मांग की है कि सीमा पर बाड सीधे जीरो

लाइन पर बनाई जाए ताकि भारतीय गांव देश के भीतर सुरक्षित रह सकें। यह मांग बताती है कि सीमा पर रहने वाले नागरिक खुद महसूस कर रहे हैं कि घुसपैठ और सीमा पार गतिविधियां उनके भविष्य के लिए खतरा बन चुकी हैं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बांग्लादेश अब भारत पर ही उल्टे आरोप लगाने में जुटा हुआ है। ढाका सरकार ने भारत द्वारा सीमा पर कंटीले तार, चौकियां, सड़कें और सुरक्षा ढांचे के निर्माण पर आपत्ति जताई है। बांग्लादेश का दावा है कि भारत ने कई स्थानों पर उसकी अनुमति के बिना निर्माण किया। लेकिन सवाल यह है कि जब भारत अपनी सुरक्षा मजबूत कर रहा है तो बांग्लादेश को तकलीफ क्यों हो रही है? क्या उसे यह डर सता रहा है कि मजबूत सीमा व्यवस्था से घुसपैठ और तस्करी का खेल बंद हो जाएगा? देखा जाये तो भारत सरकार ने सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाने का जो अभियान शुरू किया है, वह समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्मार्ट सीमा सुरक्षा ग्रिड, एंटी ड्रोन सुरक्षा कवच, सेंसर आधारित निगरानी और अत्याधुनिक डिजिटल प्रणाली लागू करने का निर्णय लेकर स्पष्ट कर दिया है कि अब सीमा पर किसी भी प्रकार की नरमी नहीं बरती जाएगी। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और नशा तस्करों द्वारा ड्रोन के जरिए हथियार और मादक पदार्थ भेजने की साजिशों को कुचलने के लिए यह कदम अत्यंत आवश्यक है।

उधर, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि अवैध घुसपैठियों के खिलाफ और भी कठोर अभियान चलाया जाएगा। यह वही नीति है जिसकी मांग वर्षों से राष्ट्रवादी शक्तियां करती रही हैं। पश्चिम बंगाल में भी शुभेन्दु अधिकारी लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि घुसपैठियों को जल्द से जल्द अपने देश भाग जाना चाहिए। देखा जाये तो बांग्लादेशी घुसपैठियों को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत की सहनशीलता को कमजोरी समझने की भूल भारी पड़ सकती है।

अवैध तरीके से भारत में प्रवेश करना केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। जो लोग भारत की जमीन पर अवैध रूप से रहकर यहां की व्यवस्था पर बोझ बनते हैं, उन्हें किसी भी कीमत पर संरक्षण नहीं मिलना चाहिए। भारत ने हमेशा मानवता और शरण की परंपरा निभाई है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि देश की सीमाएं खुली छोड़ दी जाएं। आज आवश्यकता कठोर कार्रवाई, मजबूत सीमा सुरक्षा और घुसपैठियों के खिलाफ निर्णायक नीति की है। मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी जैसे नेताओं की आवाज इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह उस सच्चाई को सामने ला रहे हैं जिसे वर्षों तक वोट बैंक की राजनीति के कारण दबाया जाता रहा।

संपादक की कलम से

बचपन की मिठास को कड़वे पसीने में बदलती यह निर्दयी दुनिया

ललित शर्मा
संपादक

किसी भी समाज का भविष्य बच्चों की आँखों में बसता है। जब उन आँखों के सपने स्कूल की चौखट तक पहुँचने से पहले ही श्रम की धूल में खो जाएँ, जब नन्हे हाथ खिलौनों और किताबों के बजाय बोझ और औजार उठाने लगें, तब समझ लेना चाहिए कि कहीं न कहीं मानवता हार रही है। 12 जून का विश्व बाल श्रम निषेध दिवस इसी पीड़ा की याद दिलाता है—यह उन करोड़ों बच्चों की मौन पुकार है जिनसे उनका बचपन छिन गया। तकनीकी युग में भी असंख्य बच्चे श्रम की बेड़ियों में जकड़े हैं। किसी राष्ट्र की सच्ची समृद्धि उसके सुरक्षित, शिक्षित और सम्मानजनक बचपन से मापी जाती है; बचपन असुरक्षित हो तो विकास फीका पड़ जाता है। आँकड़े बताते हैं कि बाल श्रम के विरुद्ध लड़ाई अभी अधूरी है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में भी दुनिया के लगभग 138 मिलियन बच्चे बाल श्रम में फँसे हुए थे, जिनमें 54 मिलियन बच्चे ऐसे खतरनाक कार्य कर रहे थे जो उनके जीवन, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए सीधा खतरा हैं। निस्संदेह, वर्ष 2000 के 246 मिलियन की तुलना में यह संख्या लगभग आधी हुई है, पर संतोष का कोई कारण नहीं है। संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य 8.7, जिसके तहत 2025 तक बाल श्रम समाप्त करने का संकल्प था, पूरा नहीं हो सका। प्रयासों ने तस्वीर बदली है, लेकिन हकीकत नहीं; जब तक आखिरी बच्चा भी श्रम से मुक्त नहीं होता, तब तक हर उपलब्धि अधूरी रहेगी।\ बाल श्रम का वैश्विक भूगोल भी गहरी चिंता पैदा करता है। उप–सहारा अफ्रीका में लगभग 87 मिलियन बच्चे बाल श्रम में फँसे हैं, जो विश्व के कुल बोझ का लगभग दो–तिहाई है। एशिया–प्रशांत क्षेत्र में संख्या 49 मिलियन से घटकर 28 मिलियन हुई है, पर राहत अभी अधूरी है। आज भी लगभग 61 प्रतिशत बाल श्रमिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत हैं। खेतों, बागानों और पशुपालन में खपते इन बच्चों के श्रम का हिसाब मिलता है, लेकिन उनके खोए बचपन का नहीं। घरेलू काम, छोटे कारखाने, बाजार, निर्माण स्थल और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएँ भी बाल श्रम के छिपे केंद्र बने हुए हैं। विडंबना यह है कि हम उत्पादों की चमक देखते हैं, पर उनके पीछे खोया बचपन नहीं। भारत की स्थिति किसी भी तरह के आत्मसंतोष की गुंजाइश नहीं छोड़ती। आधिकारिक आँकड़ों में लाखों बच्चे बाल श्रम में दर्ज हैं, जबकि विशेषज्ञ इसे इससे कहीं अधिक मानते हैं। कृषि, पटाखा, चमड़ा, काँच उद्योग, खदानें और शहरी घरेलू कार्य—हर जगह बचपन श्रम में उलझा दिखता है। महामारी के बाद बढ़ी गरीबी, मानव तस्करी, पारिवारिक मजबूरियाँ और जलवायु संकट ने इस समस्या को और गहरा कर दिया है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आज श्रम में खोया हर बच्चा कल की प्रतिभा हो सकता था। बाल श्रम दरअसल भविष्य की संभावनाओं की चोरी है। कानून मौजूद हैं, पर उनका प्रभावी क्रियान्वयन अब भी कमजोर है—एफआईआर बढ़ती हैं, लेकिन दोषसिद्धि कम। बाल श्रम केवल अर्थव्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिक परीक्षा है। एक ओर हम बच्चों को देवतुल्य मानकर पूजते हैं, दूसरी ओर वही व्यवस्था उन्हें सबसे सस्ता श्रमिक बना देती है। गरीबी, अशिक्षा, वयस्कों के लिए रोजगार की कमी और कमजोर सामाजिक सुरक्षा—ये चार आधार बाल श्रम को मजबूती देते हैं। आजीविका के दबाव में परिवार बच्चों को भी श्रम की ओर धकेल देते हैं। साथ ही जलवायु परिवर्तन, आर्थिक संकट, संघर्ष और युद्ध जैसी वैश्विक परिस्थितियाँ उनके बचपन को और संकुचित कर रही हैं।

काली दुनियां का सुल्तान

उदय किशोर साह

कविता

मासुम चेहरा पर कटु मुस्कान
शातिर मन की यही पहचान
दौलत की मद में बना हैवान
मत कर इनकी अब गुणगान

गुण्डे मवाली का ये मेहमान
बात बात में करता. ये अपमान
चरित्र में छुपा है एक बेईमान
सभ्य जन हैं इनसे आज परेशान

हड़प की नीति का ये विद्वान
इनसे बच कर रहना ओ नादान
काली कमाई से बना ये धनवान
अंधेरी नगरी इनकी है जहान

स्वार्थ की पाला दिल में. अरमान
अपनों से भी बनता ये अनजान
औछी हरकत की खोल ली दुकान
इनके मन में बसता क्रूर शैतान

इनके कब्जे में। रोता है इन्सान
ये ना होता किसी का मेहरबान
विचित्र दुनियाँ का इनकी दास्तान
अपशब्द की बोली मुँह की है पान

सज्जनता का ये ना है कद्रदान
काली दुनियाँ का ये है सुल्तान
अच्छे बुरे का भूल गया है ज्ञान
लुच्चे लफंगे में ये है . महान

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

लोकतंत्र का बाजारीकरण: वोट से अधिक मूल्यवान कौन: विज्ञापन या मतदाता?

एन0के0शर्मा
लेखक

कभी लोकतंत्र को जनता की सामूहिक चेतना का सबसे शक्तिशाली माध्यम माना जाता था। यह वह व्यवस्था थी जिसमें एक साधारण नागरिक का मत किसी सम्राट के आदेश से अधिक महत्वपूर्ण समझा जाता था। लोकतंत्र की आत्मा इस विचार में निहित थी कि सत्ता का स्रोत जनता है, और सरकारें जनता की इच्छा से बनती तथा बदलती हैं। लेकिन इक्कीसवीं सदी के इस तीव्र उपभोक्तावादी युग में एक असहज प्रश्न विश्वभर के राजनीतिक गलियारों में गूंज रहा है—क्या लोकतंत्र अब भी मतदाता के विवेक पर आधारित है, या फिर वह विज्ञापन, प्रचार-प्रबंधन और पूंजी के हाथों गिरवी रखा जा चुका है?

आज दुनिया के अनेक देशों में चुनाव केवल राजनीतिक प्रक्रिया नहीं रह गए हैं; वे विशाल व्यावसायिक अभियानों का रूप धारण कर चुके हैं। चुनावी मंचों पर विचारधाराओं की बहस कम और ब्रांडिंग की प्रतिस्पर्धा अधिक दिखाई देती है। राजनीतिक दल अब स्वयं को जनआंदोलन के रूप में नहीं, बल्कि एक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत करने लगे हैं, जिसे आकर्षक पैकेजिंग, प्रभावशाली नारों, भावनात्मक वीडियो, सोशल मीडिया अभियानों और करोड़ों-अरबों के विज्ञापनों के माध्यम से ह्लबेचाह्ल जाता है। प्रश्न यह नहीं रह गया कि कौन-सी नीति राष्ट्र के लिए बेहतर है; प्रश्न यह बन गया है कि कौन-सा संदेश जनता के मनोविज्ञान को अधिक प्रभावी ढंग से प्रभावित कर सकता है। लोकतंत्र का यह बाजारीकरण अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे दशकों से विकसित हो रही वह व्यवस्था है जिसमें राजनीति और पूंजी का संबंध लगातार गहरा होता गया।

चुनाव महंगे होते गए, प्रचार के साधन तकनीकी रूप से जटिल होते गए, और मतदाताओं तक पहुंचने के लिए धन की आवश्यकता असाधारण रूप से बढ़ती चली गई। परिणामस्वरूप राजनीतिक सफलता का एक महत्वपूर्ण आधार वित्तीय सामर्थ्य बन गया। जिस व्यवस्था में जनता सर्वोच्च होनी चाहिए थी, वहां संसाधनों का प्रभाव बढ़ने लगा। यह प्रभाव केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं रहा; उसने राजनीतिक विमर्श की दिशा तक को प्रभावित करना शुरू कर दिया।

आधुनिक चुनावों में विज्ञापन एजेंसियां, डेटा विश्लेषक, जनमत विशेषज्ञ, छवि-निमार्ता और डिजिटल रणनीतिकार उतने ही महत्वपूर्ण हो गए हैं जितने स्वयं राजनीतिक नेता। मतदाताओं की मनोवैज्ञानिक प्रवृत्तियों का अध्ययन किया जाता है, उनकी आशंकाओं, आकांक्षाओं और भावनाओं का विश्लेषण किया जाता है, और फिर उनके अनुरूप संदेश तैयार किए जाते हैं। यह प्रक्रिया देखने में लोकतांत्रिक संवाद जैसी प्रतीत होती है, लेकिन कई बार यह जनमत निर्माण से अधिक जनमत-प्रबंधन का साधन बन जाती है।

सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तीव्र बना दिया है। आज प्रत्येक नागरिक के मोबाइल फोन तक पहुंचना संभव है। एल्गोरिदम यह तय करते हैं कि कौन-सी सूचना दिखाई जाएगी और कौन-सी नहीं। राजनीतिक संदेश अब सार्वजनिक मंचों पर ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत स्क्रीन पर भी पहुंचाए जाते हैं। मतदाता को यह एहसास तक नहीं होता कि उसकी पसंद, उसकी भावनाएं और यहां तक कि उसकी राजनीतिक सोच भी अदृश्य डिजिटल तंत्रों द्वारा प्रभावित की जा रही है। लोकतंत्र की खुली बहस धीरे-धीरे व्यक्तिगत मनोवैज्ञानिक लक्ष्यीकरण में परिवर्तित होती दिखाई देती है। सबसे गंभीर चिंता यह है कि इस व्यवस्था में मतदाता धीरे-धीरे नागरिक से उपभोक्ता में बदलता जा रहा है। उपभोक्ता उत्पाद खरीदता है; नागरिक नीति का मूल्यांकन करता है।

उपभोक्ता विज्ञापन से प्रभावित होता है; नागरिक तर्क और तथ्य से। जब राजनीति उपभोक्तावाद के सिद्धांतों पर चलने लगती है, तब मतदाता की भूमिका भी बदल जाती है। वह राष्ट्र के भविष्य का सहभागी कम और राजनीतिक ब्रांडों का ग्राहक अधिक बन जाता है। यह स्थिति केवल किसी एक देश तक सीमित नहीं है। विकसित लोकतंत्रों से लेकर विकासशील देशों तक, चुनावी राजनीति में धन और प्रचार की भूमिका निरंतर बढ़ रही है। कहीं चुनावी चंदों पर बहस है, कहीं कॉर्पोरेट प्रभाव पर प्रश्न उठ रहे हैं, कहीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही पर चर्चा हो रही है, तो कहीं फर्जी समाचार और दुष्प्रचार लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को चुनौती दे रहे हैं। यह वैश्विक परिघटना संकेत देती है कि समस्या स्थानीय नहीं, बल्कि संरचनात्मक है। लोकतंत्र की शक्ति इस तथ्य में निहित है कि प्रत्येक नागरिक का मत समान मूल्य रखता है। लेकिन जब प्रचार की क्षमता, मीडिया तक पहुंच और वित्तीय संसाधन राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का निर्धारण करने लगते हैं, तब समानता का यह सिद्धांत चुनौती के घेरे में आ जाता है। एक गरीब मतदाता का वोट और एक धनी उद्योगपति का वोट कानूनी रूप से समान हो सकते हैं, किंतु यदि राजनीतिक विमर्श को आकार देने की शक्ति मुख्यतः आर्थिक रूप से संपन्न वर्गों के पास हो, तो लोकतांत्रिक संतुलन प्रभावित होना स्वाभाविक है। मीडिया की भूमिका भी इस बहस के केंद्र में है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य सत्ता से प्रश्न पूछना और जनता को निष्पक्ष जानकारी उपलब्ध कराना था। किंतु जब मीडिया संस्थान स्वयं आर्थिक दबावों, विज्ञापन राजस्व और कॉर्पोरेट हितों से प्रभावित होने लगते हैं, तब लोकतंत्र का प्रहरी कमजोर पड़ सकता है।

कई बार राजनीतिक समाचार भी मनोरंजन उद्योग की तरह प्रस्तुत किए जाने लगते हैं, जहां गंभीर नीतिगत मुद्दों की तुलना में सनसनीखेज बयान अधिक महत्व प्राप्त कर लेते हैं। परिणामस्वरूप लोकतांत्रिक विमर्श की गुणवत्ता प्रभावित होती है। विज्ञापन स्वयं में समस्या नहीं है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब विज्ञापन सूचना का स्थान लेने लगते हैं, जब छवि वास्तविकता पर भारी पड़ने लगती है, और जब राजनीतिक निर्णय तथ्यों की बजाय भावनात्मक अभियानों से प्रभावित होने लगते हैं। स्वस्थ लोकतंत्र में प्रचार होना चाहिए, लेकिन प्रचार का उद्देश्य नागरिक को जागरूक बनाना होना चाहिए, न कि उसे नियंत्रित करना। इतिहास यह बताता है कि लोकतंत्र केवल संस्थाओं से नहीं चलता; वह जागरूक नागरिकों से संचालित होता है। यदि मतदाता प्रश्न पूछना बंद कर दे, यदि वह केवल आकर्षक नारों और चमकदार अभियानों के आधार पर निर्णय लेने लगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर पड़ने लगती है। दूसरी ओर, यदि नागरिक सूचना के स्रोतों की जांच करे, विभिन्न दृष्टिकोणों को सुने, और तर्कसंगत मूल्यांकन के आधार पर निर्णय ले, तो सबसे शक्तिशाली प्रचार तंत्र भी उसकी स्वतंत्र सोच को पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकता। आज आवश्यकता केवल चुनावी सुधारों की नहीं है; आवश्यकता लोकतांत्रिक चेतना के पुनर्जागरण की है। पारदर्शी राजनीतिक वित्तपोषण, स्वतंत्र मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्मों की जवाबदेही, और नागरिक शिक्षा जैसे उपाय महत्वपूर्ण हैं, किंतु उनसे भी अधिक महत्वपूर्ण है नागरिक का विवेक। लोकतंत्र अंततः मतपेटियों में नहीं, बल्कि नागरिकों के मन और मस्तिष्क में जीवित रहता है।

इसलिए आज का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि लोकतंत्र के इस बाजार में वास्तविक मूल्य किसका है—विज्ञापन का या मतदाता का? यदि उत्तर विज्ञापन है, तो लोकतंत्र केवल एक महंगा राजनीतिक उत्पाद बनकर रह जाएगा। लेकिन यदि उत्तर मतदाता है, तो लोकतंत्र अभी भी स्वयं को पुनर्जीवित करने की क्षमता रखता है। इतिहास की दिशा अंततः उन नागरिकों द्वारा निर्धारित होती है जो अपने मत को बिकाऊ वस्तु नहीं, बल्कि नैतिक उत्तरदायित्व और राष्ट्रीय भविष्य के निर्माण का साधन मानते हैं। लोकतंत्र का भविष्य किसी विज्ञापन एजेंसी की रचनात्मकता से नहीं, बल्कि जागरूक मतदाता की स्वतंत्र चेतना से तय होगा। यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है, और यही उसकी अंतिम आशा भी।

जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट: विकसित भारत 2047 की ओर युवाशक्ति का निर्णायक मंत्र

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत आज एक ऐसे ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है जहाँ उसकी सबसे बड़ी पूंजी-युवाशक्ति- के पास न केवल संख्या का बल है, बल्कि बौद्धिक क्षमता, नवाचार की ऊर्जा और वैश्विक नेतृत्व का आत्मविश्वास भी है।इक्कीसवीं सदी का भारत अब केवल संभावनाओं का देश नहीं, बल्कि परिणाम देने वाला राष्ट्र बन चुका है। ऐसे समय में जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट केवल एकनारा नहीं, बल्कि भारत के भविष्य का रणनीतिक मंत्र बनकर उभरा है। यह मंत्र भारतीय युवाओं के चरित्र, कार्यशैली और वैश्विक छवि को परिभाषित करने की क्षमता रखता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज पूरी दुनियाँ भारत के युवाओं की बौद्धिक क्षमता का लोहा मान रही है अमेरिका यूरोप, एशिया और खाड़ी देशों की बड़ी राजनीतिक संस्थाओं, शासन प्रणालियों, वैश्विक कंपनियों और तकनीकी दिग्गजों में भारतीय मूल के युवा नेतृत्वकारी भूमिकाओं में हैं। सीईओ से लेकर नीति-निमार्ता तक, स्टार्ट- अप संस्थापकों से लेकर शोध वैज्ञानिकों तक, भारतीय युवा वैश्विक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बन चुके हैं।यह स्थिति स्वतःनहीं आई, बल्किकठोर परिश्रम ज्ञान-संस्कृति और नैतिक मूल्यबोध का परिणाम है।अब आवश्यकता है कि इस बौद्धिक शक्ति को जीरो डिफेक्ट - जीरो इफेक्ट के सिद्धांत से जोड़ा जाए, ताकि भारत की कार्यसंस्कृति विश्व के लिए एक मानक बने। यही वह मार्ग है जो भारत पर लगाए जा रहे टैरिफ जैसे आर्थिक स्पीड ब्रेकर अस्त्रों को निष्प्रभावी कर सकता है।यदि भारत को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी है, तो शासकीय और निजी दोनों क्षेत्रों में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी को यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार राष्ट्र की सबसे बड़ी कमजोरी है। अल्पकालिक व्यक्तिगत सुख सुविधा या स्वार्थ के लिए लिया गया एक भी गलत निर्णय देश की दीर्घकालिक साख को चोट पहुँचाता है।जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट का वास्तविक अर्थ तभी साकार होगा जब कार्यप्रणाली में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही होगी।निजी हित को परे रखकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता देना आज कोई आदर्शवादी कल्पना नहीं, बल्कि आर्थिक और नैतिक अनिवार्यता बन चुकी है।जब कर्मचारी, उद्यमी और अधिकारी अपने दायित्व को राष्ट्र-निर्माण से जोड़ेंगे, तभी भारत पुनः सोने की चिड़िया की संज्ञा को आधुनिक संदर्भ में सार्थक कर पाएगा न केवल त्रेता युग या सतयुग की कल्पना के रूप में, बल्कि इक्कीसवीं सदी की आर्थिक और तकनीकी वास्तविकता के रूप में भी भारत का हर नागरिक अपने जीवन को स्वर्ग से सुंदर बना सकते हैं। साथियों बात अगर हम मेक इन इंडिया और जीरो डिफेक्ट -जीरो इफेक्ट का अभिन्न संबंध इसको समझने की करें तो मेक इन इंडिया तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसके केंद्र में जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट का दर्शन न हो। विनिर्माण, उत्पादन आपूर्ति श्रृंखला, सेवा क्षेत्र और पर्यावरण हर गतिविधि में युवाओं की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है।गुणवत्ता में कोई दोष न हो और पर्यावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े यही आधुनिक विकास का वैश्विक मानदंड है।जब भारत में निर्मित वस्तुएँ और सेवाएँ गुणवत्ता, विश्वसनीयता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक बनेंगी, तब मेड इन इंडिया केवल एक टैग नहीं, बल्कि भरोसे की मुहर बन जाएगा।

दुनियाँ यह कहने लगे कि यदि कोई उत्पाद लेना है, तो भारत में निर्मित उत्पाद ही लेना चाहिए, क्योंकि वह सर्वोत्तम है, टिकाऊ है और नैतिक उत्पादन का सटीक उदाहरण है। साथियों बात अगर हम विश्व गुरु की अवधारणा और विजन 2047 इसको समझने की करें तो, यदि विश्व में यह धारणा स्थापित हो जाती है कि भारत की वस्तुएँ और सेवाएँ गुणवत्ता में बेजोड़ हैं, तो भारत का विश्व गुरु बनना कोई दूर का सपना नहीं रहेगा। विजन 2047 जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा तब तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य तभी प्राप्त होगा, जब विकास केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि मानसिकता और मूल्यों में भी दिखाई दे।भारत की अर्थव्यवस्था का दसवें स्थान से चौथे स्थान तक पहुँचना यह संकेत देता है कि दिशा सही है। अब समय है कि युवा मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की कमान स्वयं संभालें। नेतृत्व केवल पद से नहीं, बल्कि दृष्टि, कौशल और चरित्र से आता है। साथियों बात अगर हम टेक- आत्मनिर्भर भारत :अगली बड़ी छलांग इसको समझने की करें तो, आने वाले दशक का सबसे बड़ा फोकस टेक-आत्मनिर्भर भारत होना चाहिए। नवाचार अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सेमीकंडक्टर, रक्षा तकनीक, हरित ऊर्जा, बायोटेक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, इन सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता भारत की रणनीतिक सुरक्षा और आर्थिक मजबूती दोनों के लिए आवश्यक है।अब समय आ गया है कि भारत की आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी जाए और नए उत्पादों का विकास तेजी से किया जाए। ये उत्पाद केवल सस्ते नहीं, बल्कि श्रेष्ठ होने चाहिए, जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट के सिद्धांत पर आधारित। भारत के युवाओं की प्रतिभा ही आत्मनिर्भर भारत के इस विजन का नेतृत्व करेगी और विश्व को बताएगी कि नवाचार का नया केंद्र अब भारत है। साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय हित, स्पष्ट इरादे और ईमानदार प्रयास इसको समझने की करें तो, भारत तेजी से दुनियाँ की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।लेकिन आर्थिक आकार तभी सार्थक होगा जब उसके पीछे राष्ट्रीय हित को समर्पित दृष्टिकोण होगा। चाहे हम राष्ट्र-राज्य की सेवा में हों या निजी क्षेत्र में हम सबको भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस अपनानी होगी।यदि हर नागरिक यह संकल्प ले कि वह एक रुपये का भी भ्रष्टाचार नहीं करेगा, तो विजन 2047 की मंज़िल तक पहुँचने से भारत को कोई शक्ति नहीं रोक सकती। यह गति सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की भावना से आएगी। यह गति स्पष्ट इरादों और ईमानदार प्रयासों से जन्म लेगी। साथियों बात अगर हम भारतीय प्रधानमंत्री का संदेशऔर युवाओं की भूमिका को समझने की करें तो पीएम द्वारा लाल किले से लेकर विभिन्न मंचों तक और 25 जनवरी 2026 के मन की बात कार्यक्रम में जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट पर दिया गया जोर यह स्पष्ट करता है कि यह केवल औद्योगिक नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र निर्माण का आह्वान है। युवाओं के लिए यह संदेश विशेष रूप से रेखांकित करने योग्य है, क्योंकि भविष्य का भारत उन्हीं के हाथों में है।आज जो अवसर, संसाधन और सुविधाएँ उपलब्ध हैं, संभव है भविष्य में वैसीपरिस्थितियाँ न रहें। इसलिए समय की मांग है कि निजी स्वार्थ छोड़कर राष्ट्रीय लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाया जाए और मेक इन इंडिया को अभूतपूर्व प्रतिसाद दिया जाए। साथियों बात अगर हम टैरिफ की दीवारें और भारतीय गुणवत्ता की ताकत इसको समझने की करें तो यदि भारत जीरो डिफेक्ट-जीरो इफेक्ट के मंत्र पर ईमानदारी से चलता है तो कोई भी देश, चाहे वह अमेरिका ही क्यों न हो 100,500 या 1000 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए, भारतीय उत्पादों की वैश्विक मांग को रोक नहीं सकता।जब गुणवत्ता निर्विवाद होगी, तो टैरिफ की दीवारें स्वयंकमजोर पड़ जाएँगी दुनियाँ तब भारतीय उत्पादों को इसलिए खरीदेगी क्योंकि वे श्रेष्ठ हैं, टिकाऊ हैं और भरोसेमंद हैं। भारत में निर्मित वस्तुओं का ऐसा सिक्का जमेगा कि टैरिफ का बंधन भी उसे रोक नहीं पाएगा। यही स्थिति भारत के विकास और विजन 2047 की यात्रा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मंत्र के सहयोगसे मिशन तक पहुंचने की यात्रा हम आसानी से पूरी कर सकते हैंजीरो डिफेक्ट- जीरो इफेक्ट आज एक मंत्र नहीं, बल्कि मिशन बन चुका है।यह मिशन भारतीय युवाओं की सोच, कार्य और नेतृत्व को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का आह्वान करता है।यदि भारत का हर युवा इसे अपने जीवन और कार्यशैली का हिस्सा बना ले, तो न केवल भारत आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि दुनियाँ के लिए एक नैतिक, टिकाऊ और विश्वसनीय विकास मॉडल भी प्रस्तुत करेगा।विजन 2047 कोई सपना नहीं, बल्कि एक साकार होने योग्य लक्ष्य है, बशर्ते हम आज सही संकल्प लें, सही दिशा चुनें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। यही भारत की शक्ति है, यही भारत का भविष्य हैं।

परोपकार की धारा: प्याऊ और भारतीय जीवन-मूल्य

डॉ विजय गर्ग
लेखक

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि यहां जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जीने की प्रेरणा देता है। ह्लपरोपकाराय सतां विभूतयःह्ल अर्थात सज्जनों की संपत्ति परोपकार के लिए होती है—यह भावना भारतीय जीवन-दर्शन के केंद्र में रही है। इसी भावना का एक सुंदर और जीवंत प्रतीक है प्याऊ। भीषण गर्मी में राहगीरों को निःशुल्क शीतल जल उपलब्ध कराना केवल सेवा का कार्य नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के मानवीय मूल्यों का सशक्त उदाहरण है।

जलदान: सबसे बड़ा दान

भारतीय परंपरा में जल को जीवन का आधार माना गया है। हमारे शास्त्रों में अन्नदान, विद्यादान और गोदान के साथ-साथ जलदान को भी अत्यंत पुण्यकारी बताया गया है। विशेष रूप से गर्मियों के दिनों में प्यासे व्यक्ति को पानी पिलाना महान सेवा मानी जाती है। यही कारण है कि सदियों से गांवों, कस्बों और शहरों में लोग अपने सामर्थ्य के अनुसार प्याऊ स्थापित करते रहे हैं।

जब आधुनिक जल आपूर्ति व्यवस्था नहीं थी, तब यात्रियों, व्यापारियों और तीर्थयात्रियों के लिए रास्तों में बने कुएं, बावड़ियां और प्याऊ जीवनरेखा का काम करते थे। यह व्यवस्था किसी सरकारी आदेश से नहीं, बल्कि समाज की सेवा-भावना से संचालित होती थी।

भारतीय समाज में परोपकार की परंपरा

भारत में परोपकार केवल एक नैतिक शिक्षा नहीं, बल्कि जीवन-पद्धति का हिस्सा रहा है। यहां धर्म का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समाज के प्रति उत्तरदायित्व भी है। मंदिरों, गुरुद्वारों, धर्मशालाओं और सामाजिक संस्थाओं ने सदैव जनसेवा को प्राथमिकता दी है।

गुरुद्वारों के लंगर, मंदिरों के भंडारे, धर्मशालाओं में यात्रियों के लिए सुविधाएं और गर्मियों में लगाए जाने वाले प्याऊ इसी परंपरा की अभिव्यक्ति हैं। इन कार्यों के पीछे किसी प्रकार का लाभ या प्रसिद्धि प्राप्त करने की इच्छा नहीं होती, बल्कि मानवता की सेवा का भाव होता है।

प्याऊ: केवल पानी नहीं, संवेदना का स्रोत

एक प्याऊ केवल पानी उपलब्ध कराने का स्थान नहीं होता। यह समाज की संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व की भावना का प्रतीक है। जब कोई अजनबी व्यक्ति भीषण गर्मी में प्यासा होकर वहां पहुंचता है और उसे बिना किसी भेदभाव के पानी मिलता है, तब यह संदेश जाता है कि मानवता अभी जीवित है।

प्याऊ जाति, धर्म, भाषा और वर्ग के भेद मिटा देता है। वहां हर व्यक्ति केवल एक प्यासा इंसान होता है और पानी पिलाने वाला केवल एक सेवाभावी नागरिक। यही भारतीय संस्कृति की आत्मा है।

बदलते समय में घटती परंपरा

शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली के कारण सार्वजनिक प्याऊ की संख्या पहले की तुलना में कम हुई है। बोतलबंद पानी और व्यावसायिक सेवाओं के बढ़ते चलन ने भी इस परंपरा को प्रभावित किया है। आज अनेक स्थानों पर पानी भी एक वस्तु बन गया है जिसे खरीदना पड़ता है। फिर भी कई सामाजिक संगठन, धार्मिक संस्थाएं और जागरूक नागरिक आज भी गर्मियों में प्याऊ लगाकर इस परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। यह सुखद संकेत है कि आधुनिकता के बीच भी भारतीय समाज अपनी मानवीय जड़ों को पूरी तरह नहीं भूला है।

पर्यावरण और समाज दोनों के लिए उपयोगी

प्याऊ केवल सामाजिक सेवा ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का भी संदेश देते हैं। मिट्टी के घड़ों में रखा पानी, पुनः उपयोग योग्य बर्तनों का प्रयोग और स्थानीय संसाधनों का उपयोग पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देता है। आज जब जल संकट और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं, तब प्याऊ हमें जल के महत्व और उसके संरक्षण की भी याद दिलाते हैं। साथ ही पक्षियों और पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था करना भी इसी सेवा भावना का विस्तार है।

बीसलपुर में समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक सम्पन्न, भाजपा-बसपा छोड़ दर्जनों लोग सपा में शामिल

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी के 130-बीसलपुर विधानसभा कार्यालय पर आयोजित मासिक बैठक में संगठनात्मक मजबूती, आगामी शिक्षक एमएलसी चुनाव की तैयारियों तथा बूथ स्तर तक पार्टी को सशक्त बनाने को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में भाजपा एवं बसपा छोड़कर दर्जनों लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की, जिससे कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

बीसलपुर स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में आयोजित मासिक बैठक को संबोधित करते पूर्व मंत्री एवं शिक्षक एमएलसी चुनाव प्रभारी अनीस अहमद खाँ 'फूलबाबू', साथ में विधानसभा अध्यक्ष शैलेश शर्मा एडवोकेट एवं अन्य पदाधिकारी।

बैठक के मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता, शिक्षक एमएलसी चुनाव प्रभारी एवं पूर्व मंत्री अनीस अहमद खाँ 'फूलबाबू' ने कहा कि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, संविधान और आरक्षण की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आगामी शिक्षक एमएलसी चुनाव को गंभीरता से लेते हुए पूरी ताकत के साथ चुनावी तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि आरक्षण और संविधान से जुड़े मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाने तथा पीडीए समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए व्यापक जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक न्याय की विचारधारा को मजबूत करने की आवश्यकता है और पार्टी कार्यकताओं को गांव-गांव जाकर लोगों को समाजवादी नीतियों से जोड़ना चाहिए।

साथ ही शिक्षक वर्ग के अधिक से अधिक लोगों को मतदाता बनाने और उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सहभागी बनाने पर भी जोर दिया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे विधानसभा अध्यक्ष शैलेश शर्मा एडवोकेट ने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाए और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने का कार्य करे।

उन्होंने कहा कि शिक्षक एमएलसी चुनाव में सफलता प्राप्त करने के लिए अधिक से अधिक शिक्षक मतदाता बनाए जाएं तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा को हर वर्ग तक पहुंचाया जाए। उन्होंने सामाजिक न्याय, संविधान और आरक्षण की रक्षा को जन आंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान भाजपा एवं बहुजन समाज पार्टी छोड़कर सर्वेश कुमार, ज्वाला प्रसाद, बाबूराम मौर्य, मोहम्मद शरीफ, अरशद खान, ज्ञानी महेंद्र सिंह, जाहिद खान, श्याम पाल सिंह, विजेंद्र सिंह सहित दर्जनों लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी नेताओं ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके जुड़ने से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी।

बैठक में संगठन विस्तार, मतदाता संख्या बढ़ाने, बूथ प्रबंधन को सुदृढ़ करने तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गई। कार्यकताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियों के निर्वहन तथा जनसंपर्क अभियान को तेज करने के निर्देश दिए गए।

बैठक का संचालन महासचिव डॉ. यासीन अंसारी ने किया। इस अवसर पर रामप्रताप गंगवार, मीनाक्षी गंगवार, डॉ. नूर अहमद अंसारी, बी.डी. प्रजापति, गायत्री गंगवार, मोहम्मद बलीउल्ला, संजय दुबे, भानु यादव, मुक्तादिर हयात खान, हरपाल नायक, केदारनाथ गौतम, जिवेन्द्र गंगवार, अभिषेक गंगवार, बंटी शर्मा, आरिफ सिद्दीकी, सुरेश चंद्र, श्रीकृष्ण वर्मा, राशिद खान, जगदीश पटेल, लाजपत गंगवार, दुष्यंत गंगवार, रूम सिंह, सुधा यादव, अमित गंगवार, ज्वाला प्रसाद, बाबूराम मौर्य, गालिब हुसैन सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गढ़वा से जोगराजपुर तक सड़क बदहाल, गड्ढों और जलभराव से ग्रामीण परेशान

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। तहसील पूरनपुर क्षेत्र के आसाम रोड पर गढ़वा से जोगराजपुर, रायपुर बिचपुरी और महादेव तक जाने वाले मार्ग की हालत बेहद खराब हो चुकी है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे होने के साथ जलभराव की समस्या बनी हुई है, जिससे राहगीरों, स्कूली बच्चों, नमाजियों और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में खराब सड़कों और जलभराव की समस्या पहले भी लोगों के लिए चिंता का विषय रही है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क पर पानी भरा रहने से आए दिन दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। स्कूल जाने वाले बच्चों को कीचड़ और पानी से होकर गुजरना पड़ता है, वहीं नमाज अदा करने जाने वाले लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जिससे आवागमन लगभग बाधित हो जाता है। रायपुर बिचपुरी क्षेत्र में कई स्थानों पर सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है। वहीं महादेव गांव के आसपास भी जगह-जगह गहरे गड्ढे बने हुए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद जिम्मेदार विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग से मांग की है कि गढ़वा-जोगराजपुर मार्ग, रायपुर बिचपुरी और महादेव क्षेत्र की सड़कों की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था की जाए, जिससे क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके। पीलीभीत जिले में सड़क निर्माण और रखरखाव को लेकर पहले भी शिकायतें सामने आती रही हैं।

सराफा बाजार में छाया बॉलीवुड का रंग, 'जूनियर अमिताभ' के मशहूर डायलॉग पर झूमे लोग

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। हापुड़ जनपद के नगर के सराफा बाजार में गुरुवार को जूनियर अमिताभ बच्चन के नाम से मशहूर राजकुमार उर्फ अमिताभ सराफा कारोबारी सचिन जिंदल के प्रतिष्ठान पर पहुंचे। उन्हें देखते ही प्रशंसकों की भीड़ उमड़ पड़ी और सेल्फी लेने की होड़ लग गई।जूनियर अमिताभ राजकुमार उर्फ अमिताभ अपनी हूबहू अमिताभ बच्चन जैसी आवाज, कद-काठी और अंदाज के लिए देशभर में जाने जाते हैं। जिंदल ज्वैलर्स पहुंचने पर सचिन जिंदल सर्राफ ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। इस दौरान जूनियर अमिताभ ने अपने चिर-परिचित अंदाज में कहा कि आज मेरे पास बिल्डिंग है, प्रॉपर्टी है, बैंक बैलेंस है... तुम्हारे पास क्या है , फिर बोले कि रिश्ते में तो हम तुम्हारे बाप लगते हैं, नाम है शहंशाह , डायलॉग सुनते ही लोगों ने तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया।मीडिया से बातचीत में राजकुमार उर्फ अमिताभ ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में सिर्फ टैलेंट से काम नहीं चलता, यहां नसीब भी चलता है। अमिताभ बच्चन बनना आसान नहीं, लेकिन उनकी प्रेरणा से आज मुझे पहचान मिली है। उन्होंने हापुड़ के लोगों के प्यार के लिए आभार जताया। जूनियर अमिताभ के आने की खबर मिलते ही बाजार में भीड़ जुट गई। युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक ने उनके साथ फोटो और सेल्फी ली।सचिन जिंदल सर्राफ ने बताया कि राजकुमार उर्फ अमिताभ निजी कार्यक्रम में हापुड़ आए थे। वह प्रतिष्ठान पर पहुंचे थे। उनके आने से ग्राहकों और स्टाफ में खासा उत्साह रहा। उल्लेखनीय है कि मूलरूप से मुम्बई के रहने वाले राजकुमार पिछले 20 साल से अमिताभ बच्चन की मिमिक्री कर रहे हैं। आवाज, चलने का अंदाज और डायलॉग डिलीवरी में वह बिल्कुल अमिताभ जैसे लगते हैं। देश-विदेश में सैकड़ों शो कर चुके हैं और कई टीवी शो में भी नजर आ चुके हैं।

वन्यजीव प्रेमियों को बड़ी सौगात, 30 जून तक खुले रहेंगे यूपी के टाइगर रिजर्व

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए खुशखबरी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के प्रमुख टाइगर रिजर्वों में पर्यटन सत्र को 15 जून के बजाय अब 30 जून 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। इस फैसले से पर्यटकों को बाघों और अन्य वन्यजीवों के दीदार के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। प्रदेश के पीलीभीत टाइगर रिजर्व, दुधवा टाइगर रिजर्व, अमानगढ़ टाइगर रिजर्व और रानीपुर टाइगर रिजर्व में अब जून माह के अंतिम दिन तक जंगल सफारी का आनंद लिया जा सकेगा। पहले मानसून सीजन को देखते हुए 15 जून से पर्यटन गतिविधियों पर विराम लग जाता था, लेकिन इस बार पर्यटकों की बढ़ती रुचि और अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए अवधि बढ़ाई गई है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में देश-विदेश से आने वाले पर्यटक बाघ, तेंदुआ, हिरण, बारहसिंगा, विभिन्न प्रजातियों के पक्षी और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले सकेंगे। पर्यटन अवधि बढ़ने से स्थानीय रोजगार और पर्यटन कारोबार को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि पर्यटकों की सुरक्षा और वन्यजीवों के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। सफारी के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। पर्यटन सत्र में मिले इस अतिरिक्त समय से वन्यजीव प्रेमियों में उत्साह देखा जा रहा है। अब पर्यटक जून के अंत तक उत्तर प्रदेश के टाइगर रिजर्वों की रोमांचक सफारी का आनंद उठा सकेंगे और जंगल की प्राकृतिक सुंदरता के साथ वन्यजीवों को उनके प्राकृतिक आवास में देखने का अवसर प्राप्त करेंगे।

शेरामऊ क्षेत्र की जनता ने सुबह 9 बजे ट्रेन संचालन की उठाई मांग, छात्रों व यात्रियों को हो रही परेशानी

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत। तहसील पूरनपुर के अंतर्गत आने वाले शेरामऊ रेलवे स्टेशन क्षेत्र की जनता ने सुबह लगभग 9 बजे एक यात्री ट्रेन के संचालन की मांग तेज कर दी है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि वर्तमान रेल समय-सारिणी उनके दैनिक कार्यों के अनुकूल नहीं है, जिसके कारण छात्रों, अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और आम नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार शेरामऊ और आसपास के गांवों से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं पूरनपुर, पीलीभीत एवं अन्य स्थानों के कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों में पढ़ने जाते हैं। सुबह उचित समय पर ट्रेन उपलब्ध न होने के कारण उन्हें निजी वाहनों या अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की अतिरिक्त बबार्दी होती है। वहीं, तहसील पूरनपुर में अपने जरूरी कार्यों के लिए आने वाले ग्रामीणों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। राजस्व, न्यायालय, पेंशन, प्रमाण पत्र, बैंकिंग तथा अन्य सरकारी कार्यों के लिए लोगों को समय पर तहसील पहुंचना आवश्यक होता है, लेकिन सुबह उपयुक्त ट्रेन न होने के कारण कई बार लोगों के महत्वपूर्ण कार्य प्रभावित हो जाते हैं। क्षेत्र के अधिवक्ताओं और मुकदमेबाजों का कहना है कि न्यायालय संबंधी कार्यों के लिए समय पर पहुंचना जरूरी होता है। रेल सुविधा के अभाव में उन्हें निजी साधनों पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर लोगों पर भी अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि यदि सुबह करीब 9 बजे शेरामऊ रेलवे स्टेशन से पूरनपुर की ओर एक ट्रेन का संचालन किया जाए तो हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। इससे विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यापारियों, किसानों और आम यात्रियों की आवाजाही सुगम हो जाएगी। जनता ने रेलवे प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि क्षेत्र की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शेरामऊ क्षेत्र के यात्रियों की सुविधा के लिए सुबह 9 बजे ट्रेन संचालन की व्यवस्था की जाए। मांग को लेकर क्षेत्र में लगातार आक्रोश बढ़ रहा है और लोग जल्द समाधान की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

मोहन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में प्रदेश निरीक्षक का आकस्मिक दौरा, व्यवस्थाओं पर जताई संतोष

पीलीभीत/पूरनपुर(वेलकम इंडिया)। स्थानीय मोहन सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शिशु शिक्षा समिति, ब्रज प्रदेश के प्रदेश निरीक्षक हरवीर सिंह चहार ने विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के शैक्षणिक अभिलेखों का गहन अवलोकन किया और परिसर की भौतिक व्यवस्थाओं का सत्यापन किया। निरीक्षण के दौरान प्रदेश निरीक्षक ने विद्यालय में संचालित विभिन्न गतिविधियों और व्यवस्थाओं को बारीकी से परखा। विद्यालय में शैक्षणिक अनुशासन और बेहतर प्रबंधन को देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की और संतोष जाहिर किया। निरीक्षण के पश्चात विद्यालय की नवीन प्रबंध समिति के साथ एक महत्वपूर्ण परिचयात्मक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश निरीक्षक हरवीर सिंह चहार और जिला समन्वयक सुनील कुमार सिंह पुंडीर ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित व पुष्पार्चन कर किया। बैठक में विद्यालय के चहुंमुखी विकास और भावी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रदेश निरीक्षक ने आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए प्रबंध समिति को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए, ताकि विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके।विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज दीक्षित ने आए हुए अतिथियों का परिचय कराया और उनका औपचारिक स्वागत किया।

बीसलपुर के काजी तल्हा अली ने बढ़ाया जिले का मान, जापान की प्रतिष्ठित कंपनी में 62 लाख के पैकेज पर चयन

वेलकम इंडिया ब्यूरो

पीलीभीत बीसलपुर। नगर के मोहल्ला ग्यासपुर निवासी काजी तल्हा अली ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे जनपद पीलीभीत का नाम रोशन किया है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर से कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग में बीटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका चयन जापान की एक प्रतिष्ठित कंपनी में लगभग 62 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर हुआ है। काजी तल्हा अली, डॉ. मुर्तजा अली के पुत्र हैं। उनकी प्रारंभिक शिक्षा बरेली के केम स्कॉलर्स स्कूल में हुई। इसके बाद उन्होंने एस.आर. इंटरनेशनल स्कूल, बरेली से शिक्षा ग्रहण की। इंटरमीडिएट की पढ़ाई उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) से पूरी की। वर्ष 2022 में इंटरमीडिएट उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने आईआईटी जोधपुर में प्रवेश प्राप्त किया। आईआईटी जोधपुर में चार वर्षों तक निरंतर अध्ययन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर उन्होंने कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग में बीटेक की डिग्री हासिल की। हाल ही में आयोजित दीक्षांत समारोह में उन्हें स्नातक उपाधि प्रदान की गई। उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों और तकनीकी कौशल से प्रभावित होकर जापान की एक प्रतिष्ठित कंपनी ने उन्हें लगभग 62 लाख रुपये के वार्षिक पैकेज पर नियुक्त किया है। उनकी इस सफलता से परिवार, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। मोहल्ला ग्यासपुर सहित पूरे बीसलपुर क्षेत्र में लोग उन्हें बधाई दे रहे हैं और उनकी उपलब्धि पर गर्व व्यक्त कर रहे हैं। क्षेत्र के शिक्षकों और गणमान्य लोगों ने काजी तल्हा अली की सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया है। उनका कहना है कि यह उपलब्धि साबित करती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो छोटे शहरों के छात्र भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी सफलता हासिल कर सकते हैं। इस अवसर पर जे.के. पाठक सहित अनेक लोगों ने काजी तल्हा अली को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उनकी यह सफलता आज जनपद पीलीभीत के युवाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन गई है।

आरटीओ एसोसिएशन ऑफ इंडिया में विजेंद्र कुमार बने संगठन महामंत्री

राजेंद्र सिंह

हापुड़(वेलकम इंडिया)। आरटीओ एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पंजीकृत) ने जनपद हापुड़ के ग्राम कनिया कल्याणपुर निवासी विजेंद्र कुमार पुत्र रणवीर सिंह को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपते हुए संगठन महामंत्री पद पर नियुक्त किया है।

जारी नियुक्ति-पत्र के अनुसार यह नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार के नेतृत्व एवं संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के निर्णय के तहत की गई है।

संगठन ने विश्वास जताया है कि विजेंद्र कुमार अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए आरटीओ एसोसिएशन ऑफ इंडिया को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाने तथा संगठन के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। नियुक्ति के साथ ही विजेंद्र कुमार को निर्देशित किया गया है कि वे संगठन की नीतियों एवं उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करते हुए सदस्यता अभियान को गति दें और संगठन को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करें। विजेंद्र कुमार की नियुक्ति पर संगठन पदाधिकारियों एवं समर्थकों ने खुशी व्यक्त करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस ने धरना-प्रदर्शन की खबरों को बताया अफवाह, संगठन मंत्री की नजरबंदी पर जताई आपत्ति

राजेंद्र सिंह

लखनऊ(वेलकम इंडिया)। ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस के राष्ट्रीय अध्यक्ष वसी अहमद एवं उत्तर प्रदेश संगठन की ओर से जारी संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर प्रसारित हो रही भ्रामक खबरों का खंडन किया गया है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि 11 जून 2026 को लखनऊ में किसी भी प्रकार के धरना-प्रदर्शन का कोई कार्यक्रम निर्धारित नहीं किया गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष वसी अहमद ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों पर ध्यान न दें तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। उन्होंने जिला एवं पुलिस प्रशासन से भी अपील की कि अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जाए और तथ्यों की निष्पक्ष जांच की जाए।

पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री मुख्तार अहमद ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री आवास अथवा फॉरेस्ट हाउस के सामने 11 जून 2026 से प्रस्तावित दो दिवसीय धरना-प्रदर्शन की खबरें पूरी तरह निराधार और भ्रामक हैं। उन्होंने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम मजलिस देश के संविधान, कानून और लोकतांत्रिक व्यवस्था का सम्मान करती है तथा किसी भी कार्यक्रम का आयोजन प्रशासनिक अनुमति के बिना नहीं किया जाता।प्रेस विज्ञप्ति में यह भी बताया गया कि प्रशासन द्वारा पार्टी को सूचित किया गया है कि प्रदेश संगठन मंत्री मुख्तार अहमद को 12 जून 2026 तक दो दिनों के लिए हाउस अरेस्ट (नजरबंद) किया गया है।

पार्टी ने इस कार्रवाई को संज्ञान में लेते हुए कहा कि वह कानूनी प्रक्रिया के तहत अपनी बात रखेगी। पार्टी नेतृत्व ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं से धैर्य बनाए रखने तथा किसी भी सूचना के लिए केवल पार्टी के अधिकृत स्रोतों पर ही भरोसा करने की अपील की।

प्रवक्ता (पुरुष/महिला) राजकीय इंटर कॉलेज परीक्षा-2025 को लेकर तैयारियां पूरी, 14 जून को एक सत्र में होगी परीक्षा

हरेन्द्र शर्मा

हापुड़(वेलकम इंडिया)। जनपद हापुड़ में 09 परीक्षा केन्द्र निर्धारित है जिन पर 3790 अभ्यथर्थी परीक्षा में सम्मिलित होगें। परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु प्राप्त निदेशों के कम में जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में आज प्रातः 11:00 बजे परीक्षा केन्द्रों पर तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, सह केन्द्र व्यवस्थापक, परीक्षा सहायकों का प्रशिक्षण कार्य आयोग द्वारा नामित समन्वयी पर्यवेक्षक अजीत पाल सिंह द्वारा सम्पन्न किया गया।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि/रा) हापुड, अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी, अग्नि शमन अधिकारी व सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, सह केन्द्र व्यवस्थापक, परीक्षा सहायक उपस्थित हुए। आयोग के प्राप्त निदेशों के क्रम में परीक्षा केन्द्रों पर तैनात व रिजर्व कुल 388 अन्तरीक्षकों व सहयोगी अन्तरीक्षकों का प्रशिक्षण समन्वयी पर्यवेक्षक द्वारा एस०एस०वी० इ०का०, हापुड़ में दो चरणों में अपरान्ह 2:00 बजे से 3:00 बजे तथा 3:30 बजे से 4:30 बजे तक सम्पन्न कराया गया, समन्वयी पर्यवेक्षक द्वारा अन्तरीक्षकों व सहयोगी अन्तरीक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे अपना द्वितीय प्रशिक्षण दिनांक 12-06-2026 को अपने-अपने केन्द्र पर प्राप्त करना व परीक्षा दिनांक 14-06-2026 को अपने कक्ष निरीक्षक के दायित्वों का निर्वन्ह करना सुनिश्चित करे। प्रशिक्षण को सफलता पूर्वक सम्पन्न कराये जाने की सम्पूर्ण व्यवस्था विजय कुमार, प्रधानाचार्य, एस०एस०वी० इण्टर कालेज, हापुड़ द्वारा की गयी।

दरगाह हजरत बड़ी बी साहिबा (बड़ी बुआ) का 23वां सालाना चादरपोशी व कुल शरीफ कार्यक्रम सम्पन्न

फतेह खान

अयोध्या(वेलकम इंडिया)। अयोध्या धार्मिक एकता भाईचारा के प्रतीक अयोध्या की मशहूर दरगाह हजरत बड़ी बी साहिबा (बड़ी बुआ) जो बाबा चिराग देहलवी रहमतुल्लाह अलेह की बहन है और बड़े ही पाए की बुजुर्ग है आपसे सभी जाति धर्म के लोग आस्था रखते हैं जिनका 23 वां सालाना नजरो नियाज चादर पोशी व कुल शरीफ का आयोजन दिनांक 11 जून 2026 दिन बृहस्पतिवार (जुमेरात) को बाबा कयूम खान, डॉक्टर मेराज बकाई ,बाबा ,उवैस रजा कादरी ,आसिफ नवाब बाबा जाहिद खान वारसी आदि की देखरेख मे बड़ी ही धूमधाम से किया गया जिसमें सैकड़ो की तादाद मे जायरीन मौजूद रहे। आयोजन के मौके पर शहर के ओलमा-ए-कराम के साथ-साथ जनपद अयोध्या के नामी ग्रामी मुस्लिम धर्मगुरु हजरत अल्लामा मौलाना (मुफ्ती ए अवध) मुफ्ती मोइनुद्दीन अशरफी की तकरीर हुई आप ने हजरत बड़ी बुआ साहिबा का मर्तबा बयान किया और शहर के कई साहिबे मजार हस्तियों के बारे में भी बताया।

बाबा कयूम ने बताया कि दरगाह हजरत बड़ी बुआ साहिबा के कुल शरीफ के मौके पर हर साल जायरीनो के लिए लंगर शरीफ का भी आयोजन किया जाता है।

बाबा जाहिद खान वारसी ने बताया की यह आयोजन मुस्लिम वरिष्ठ धर्मगुरु जनाब हजरत मौलाना अनवार नईमी की सरपरस्ती मे लगभग 22 वर्ष पहले शुरू किया गया था जिसमें विशेष सहयोग मरहूम मौलाना मुश्ताक हबीबी ,मरहूम सैयद अफजल वारसी, मरहूम अकील खान आदि का रहता था। मौलाना अनावर नईमी द्वारा शहरे फैजाबाद अयोध्या मे मौजूद साहिबे मजार पर कई किताबें भी लिखी है साथ ही शहर फैजाबाद अयोध्या का कई धार्मिक आयोजन जो मौलाना अनवार नईमी द्वारा ही शुरू कराया गया था जिसे आज तक लोगों द्वारा परंपरागत किया जा रहा है जनपद अयोध्या के वरिष्ठ समाजसेवी अफजाल अहमद वारसी,सुहेल अहमद बकाई,असलम पठान, आसिफ चांद ,शादमान खान व नौशाद पार्षद आदि कहते हैं कि मौलाना अनवर नईमी जी के खिदमादात ऐसे हैं जिसे अयोध्यावासी कभी नहीं भूला सकते।

इसी तरह मुफ्ती मोइनुद्दीन अशरफी (मुफ्ती ए अवध)/मौलाना शाबान कादरी/ सूफी मोहम्मद सबीरूल कादरी ने कई धार्मिक किताबें लिखी है सुफी मोहम्मद सबीरुल कादरी ने तौसीफ ए आलंपना सहित कई किताबें लिखी है आपकी खिदमत ऐसी है कि आप के नाम से सूफी कॉलोनी भी बसाई गई है।

वही आयोजन में आए जायरीन ने यतीम खाना बड़ी बुआ की साफ सफाई सुंदरता व्यवस्था देखते हुए यतीम खाना बड़ी बुआ के सेक्रेटरी डॉक्टर इमरान खान की जमकर तारीफ की और बड़ी बुआ यतीम खाना के नाजिम ने पूरा सहयोग आयोजन में किया।

दरगाह हजरत बड़ी बी (बड़ी बुआ) साहिबा का सालाना उर्स हर साल दरगाह के गद्दे नशीन मरहूम दिलावर अली द्वारा किया जाता रहा है वर्तमान में मुमताज अली द्वारा हर साल 15 सफर को परंपरागत दरगाह हजरत बड़ी बुआ साहिबा का उर्स किया जाता है। आयोजन के मुख्य सहयोगी मौलाना मुकिर ,सैयद रिजवान उल्ला वाहिदी,बाबा कयूम खान, डॉक्टर मिराज बकाई, डॉक्टर अनवर अहमद खान, डॉक्टर इमरान ,काशिफ शेख चौधरी, आसिफ नवाब, ओवैस कादरी, मोहम्मद फैजी, हाफिज ओवैस पुरानी सब्जी मंडी,मोहम्मद शौकत आदि सहित मौके पर मुस्लिम समाज के वरिष्ठ अधिवक्ता आफताब खान शेरू ,अब्दुल कय्यूम,शादमान खान,अब्दुल रहमान, असलम पठान, महफूज वारसी,अज्जू सिद्दीकी, उज्मी सिद्दीकी, एडवोकेट इमरान खान, एडवोकेट आलम खान, बाबू कुरैशी, इदरीस खान, मोहम्मद तनवीर ,अब्दुल रहमान कफील अंसारी , मोहम्मद हफीज, मोहम्मद इश्तियाक ,आरिफ राइन ,सरफराज अली,मोहम्मद मुजीब नातखा,हाजी ताहिर,नूर हसन शिबलू , मोहम्मद नसीम सहित सैकड़ो की तादाद में लोग मौजूद रहे।

ओलंपिक पदक विजेता विश्वविख्यात बॉक्सर मैरी कॉम ने सीएस से शिष्टाचार भेंट की

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। प्रमुख सचिव, मुख्यमंत्री, आर.के. सुधांशु से ओलंपिक पदक विजेता विश्वविख्यात बॉक्सर एवं भूतपूर्व राज्यसभा सदस्य मैरी कॉम ने शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर कॉरपोरेट एवं गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से खेल क्षेत्र में युवाओं को प्रोत्साहित करने तथा उनकी प्रतिभाओं के विकास हेतु विभिन्न संभावनाओं पर चर्चा की गई। साथ ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विजन के अनुरूप युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं, प्रशिक्षण एवं अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें खेलों के प्रति प्रेरित करने और राज्य में खेल संस्कृति को सुदृढ़ कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य के खिलाड़ियों को अवसर मुहैया कराने की संभावना पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर सचिव रणवीर सिंह, खेल निदेशक श्रीमती दीप्ती सिंह एवं अपर सचिव मुख्यमंत्री, मनमोहन मैनाली उपस्थित रहे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के मथुरा आगमन की तैयारियों को लेकर बैठक, जोरदार स्वागत की बनी रणनीति

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय के आगामी 12 को होने वाले मथुरा आगमन को लेकर कांग्रेस कार्यकताओं में भारी उत्साह है। इस महत्वपूर्ण दौरे को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए कांग्रेस जनों ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में किसान कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष और गोवर्धन विधानसभा क्षेत्र के कोऑर्डिनेटर ठाकुर नरेश पाल सिंह जसावत के निवास स्थान पर वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की एक बैठक आयोजित की गई है।

बैठक के दौरान मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के मथुरा समेत गोवर्धन परिक्रमा आगमन पर उनके भव्य स्वागत और सम्मान समारोह को लेकर विस्तृत रणनीति तैयार की गई है। नेताओं ने रूट से लेकर स्वागत स्थलों तक की व्यवस्थाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर ठाकुर नरेश पाल सिंह जसावत और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सभी कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकताओं और क्षेत्रीय जनता से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि अजय राय जी का यह दौरा उत्तर प्रदेश और विशेषकर ब्रज क्षेत्र में कांग्रेस को एक नई ऊर्जा और मजबूती प्रदान करेगा। बैठक में उपस्थित सभी कांग्रेस जनों ने कार्यक्रम को पूर्ण रूप से सफल बनाने का संकल्प लिया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के कार्यक्रम के अनुसार 12 जून को रात्रि में मथुरा आगमन करेंगे। सुबह पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे। शाम 4 बजे वृंदावन में राधारमण मंदिर पहुंचकर दर्शन करेंगे। शाम 7 बजे गोवर्धन गिर्राज जी पहुंचकर परिक्रमा करने का दौरा प्रस्तावित है। जनपद कांग्रेस के कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष का दौरा ऐतिहासिक बनाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं।

सम्राट अशोक के न्याय, समता और विश्व बंधुत्व के सिद्धांतों पर भारत को महान बनाना चाहते हैं अखिलेश यादव: मो0 अरशद खान

जौनपुर(वेलकम इंडिया)। सम्राट अशोक महान विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि भारत के इतिहास में सम्राट अशोक का स्थान अद्वितीय है। उन्होंने युद्ध और हिंसा के मार्ग को त्यागकर न्याय, समता, करुणा, मानवता और विश्व बंधुत्व का संदेश दिया। उनके शासनकाल में सभी धर्मों, जातियों और वर्गों को समान सम्मान और अवसर प्रदान किए गए, जिससे भारत विश्व में शांति और सद्भाव का प्रतीक बना। मो. अरशद खान ने कहा कि समाजवादी विचारधारा भी सामाजिक न्याय, समान अवसर, भाईचारे और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए अ[illegible] देश और प्रदेश में न्यायपूर्ण व्यवस्था स्थापित करना चाहते हैं। उनका लक्ष्य ऐसा भारत बनाना है जहां प्रत्येक नागरिक को सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और न्याय प्राप्त हो तथा समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव न रहे। उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उनके समय में था। देश को नफरत, विभाजन और वैमनस्य की राजनीति से

ऊपर उठाकर प्रेम, सद्भाव, सामाजिक न्याय और विश्व बंधुत्व के मार्ग पर चलाने की आवश्यकता है। यही मार्ग भारत को पुन: विश्व में सम्मान और नेतृत्व की स्थिति तक पहुंचा सकता है। मो. अरशद खान ने देशवासियों से आह्वान किया कि वे सम्राट अशोक महान के आदर्शों को अपनाकर एक ऐसे भारत के निर्माण में योगदान दें जहां संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और मानवता सर्वोच्च मूल्य हों। मोहम्मद अरशद खान ने जनता से अपील किया कि 2027 में अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बना कर उन्हे ताकत दें ताकि भविष्य में वो भारत के प्रधानमंत्री बनकर अशोक महान के सपनों का भारत बनाने का काम करें।

गोवर्धन में कढ़ी मशक्कत के बाद घायल उग्र नंदी को काबू कर नन्दिनी गौ चिकित्सालय में भर्ती कराय

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। ब्रजक्षेत्र में गौवंश की रक्षा और सेवा के लिए समर्पित युवाओं ने एक बार फिर अपनी जान जोखिम में डालकर सेवा की अनूठी मिसाल पेश की है। पिछले दो सप्ताह से सींग के गहरे घाव से तड़प रहे एक नंदी महाराज को गोवर्धन और डीग के गौसेवकों ने संयुक्त रूप से भारी मशक्कत के बाद सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया है।जानकारी के अनुसार, जतीपुरा क्षेत्र में एक नंदी महाराज के सींग में बहुत बड़ा और दर्दनाक घाव हो गया था। 'टीम श्रेयस जतीपुरा' द्वारा पिछले दो हफ़्तों से उन्हें पकड़कर इलाज देने का लगातार प्रयास किया जा रहा था। परंतु, असहनीय दर्द के कारण नंदी महाराज बेहद आक्रामक हो चुके थे, जिसके चलते वह बार-बार हाथ से निकल जा रहे थे।दो गौसेवक हुए चोटिल, नहीं हारी हिम्मतनंदी महाराज की हालत बिगड़ती देख आज गोवर्धन और डीग के गौसेवकों ने संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। नंदी महाराज को काबू करने के इस बेहद कठिन और

नंदनी गौ चिकित्सालय बना नया ठिकाना

काबू करने के तुरंत बाद 'भक्ति सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट' की एम्बुलेंस को मौके पर बुलाया गया। नंदी महाराज को बेहद सावधानी से एम्बुलेंस में लोड कर इलाज के लिए 'श्री नंदनी गौ चिकित्सालय' लाया गया है। चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज शुरू कर दिया गया है। गौसेवकों का कहना है कि जब तक नंदी महाराज पूर्ण रूप से स्वस्थ और रोगमुक्त नहीं हो जाते, तब तक वह इसी चिकित्सालय में आनंदपूर्वक रहेंगे। इस दौरान सेवा में रेस्क्यू ऑपरेशन में मुख्य रूप से दीपक, उमेश, पंकज, सूरज, इशांत, सीताराम, सौरभ समेत अन्य गौसेवक मौजूद रहे।

जोखिम भरे प्रयास में दो गौसेवक घायल भी हो गए। इसके बावजूद टीम ने हिम्मत नहीं हारी और आखिरकार नंदी महाराज को सुरक्षित काबू कर लिया।

भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों की बैठक हुयी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। भाजपा अनुसूचित मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों की भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक। आहूत की गयी। बैठक में संगठन की आगामी कार्ययोजना, केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के विषय में विस्तृत चर्चा की गयी। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेन्द्र भट्ट, भीमराव अम्बेडकर स्टडी कार्यक्रम के प्रदेश प्रभारी कर्ण प्रताप सिंह, विधायक दुर्गेश्वर लाल, प्रदेश महामंत्री कुन्दन परिहार, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा बलबीर घुमियाल, राज कुमार पौरी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

एडीएम राजस्व एवं वित्त के नेतृत्व में हुआ मॉकड्रिल कार्यक्रम, मंहगू का पुरवा में कार्यक्रम हुआ आयोजित

फतेह खान

शुजागंज/अयोध्या(वेलकम इंडिया)। रूदौली तहसील क्षेत्र के ग्राम मंहगू पुरवा में गांव में अपर जिलाधिकारी राजस्व एवं वित्त अमित कुमार भट्ट के नेतृत्व में बाढ़ से निपटने हेतु बचाव एवं राहत कार्य हेतु मॉकड्रिल कार्यक्रम किया गया जिसमें अचानक बचाव बचाव की आवाज आने लगी नदी के किनारे जीवन रक्षक उपकरण के साथ एसडीआरएफ व पुलिस टीम द्वारा नदी में डूब रहे लोगों को बाहर निकाल आ स्थाई स्वास्थ शिविर में ले जाया गया जहां चिकित्सकों द्वारा सभी लोगों का उपचार किया गया।

अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अमित कुमार भट्ट ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ चौकी, राहत शिविर तथा संबंधित विभागों द्वारा की गई तैयारियों की समीक्षा की।

प्रशासन द्वारा आयोजित आपदा बचाव एवं राहत शिविर में ग्रामीणों को बाढ़ के समय बरती जाने वाली सावधानियों तथा उपलब्ध कराई जाने वाली राहत सुविधाओं की जानकारी दी गई।

एडीएम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बाढ़ की किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें तथा राहत एवं बचाव सामग्री की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने ग्रामीणों से भी सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल प्रशासन को देने की अपील की।

इस अवसर पर एसडीएम संतोष कुमार,सीओ आशीष निगम, प्रभारी निरीक्षक रूदौली संजय मौर्य चौकी प्रभारी शुजागंज अभिषेक सिंह , आरक्षी अंबुज सिंह, सत्यम गुप्ता, अभिषेक कुमार लोकेश कुमार, आशीष यादव हेड कांस्टेबल इंद्रेश यादव,सद्दाम हुसैन, बीडीओ रूदौली, रवि चौधरी,राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, फायर बिग्रेड टीम,पशुपालन विभाग सहित भारी संख्या में पुलिस कर्मचारी गण एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्राविधिक शिक्षा परिषद ने उड़ाई अपने ही आदेशों की धज्जियां, फामेर्सी प्रायोगिक परीक्षा में शिक्षकों में भारी नाराजगी

मथुरा(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश प्राविधिक शिक्षा परिषद एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गई है। परिषद द्वारा प्रदेशभर के फामेर्सी संस्थानों में आयोजित होने वाली प्रायोगिक परीक्षाओं के लिए परीक्षकों की तैनाती कर दी गई है, लेकिन इस प्रक्रिया में परिषद के पूर्व सचिव द्वारा जारी आदेशों की अनदेखी किए जाने का आरोप लग रहा है। इससे सैकड़ों शिक्षकों में भारी नाराजगी व्याप्त है। गौरतलब है कि परिषद के तत्कालीन सचिव अजीत कुमार मिश्रा ने 18 जुलाई 2025 को जारी आदेश में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि लिखित परीक्षा की 500 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों को प्रायोगिक परीक्षा में ड्यूटी दी जाएगी। साथ ही 500 से अधिक कॉपियों का मूल्यांकन करने वाले शिक्षकों को प्राथमिकता देने का भी प्रावधान किया गया था। इसके बावजूद वर्ष 2026 की प्रायोगिक परीक्षा में बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षक ड्यूटी से वंचित रह गए जिन्होंने निर्धारित मानकों के अनुसार उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया था। मामला सामने आने के बाद सोशल मीडिया और विभिन्न शिक्षक समूहों में परिषद की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए जा रहे हैं। शिक्षकों का आरोप है कि परिषद ने अपने ही आदेशों का पालन नहीं किया, जिससे पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार यह मामला प्राविधिक शिक्षा मंत्री, प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा विभाग, महानिदेशक तथा परिषद सचिव के संज्ञान में पहुंच चुका है। सवाल यह भी उठ रहा है कि सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति से इतनी बड़ी चूक आखिर कैसे हो गई और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर क्या कार्रवाई होगी।

अदिति यादव के खिलाफ भ्रामक पोस्टों पर सपा कार्यकताओं में रोष, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं ने सोशल मीडिया पर अदिति यादव के खिलाफ प्रसारित की जा रही कथित भ्रामक और आपत्तिजनक पोस्टों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। समाजवादी पार्टी के विधानसभा उपाध्यक्ष सोनू यादव ने कहा कि पिछले कई दिनों से सोशल मीडिया पर सुनियोजित तरीके से झूठे और भ्रामक पोस्ट साझा किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य अदिति यादव की सार्वजनिक छवि को धूमिल करना है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परिवार पर हमला नहीं, बल्कि समाज में बेटियों के सम्मान पर सीधा प्रहार है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। समाजवादी सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव गौरव पांडे ने कहा कि समाजवादी पार्टी

की नीति बेटियों के सम्मान और सुरक्षा को लेकर हमेशा स्पष्ट रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी बेटी के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले कृत्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि प्रशासन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं करता है तो समाजवादी कार्यकर्ता लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस अवसर पर बादल राज बंसल (राष्ट्रीय सचिव), अभिषेक यादव (महानगर महासचिव), रमेश सैनी (अध्यक्ष), सीमा करण (महिला सभा), सुरेश यादव, संजय अग्रवाल, ललित मोहिनी, एडवोकेट स्वरूप शर्मा, एडवोकेट डेविड प्रजापति, एडवोकेट रुपेश यादव, एडवोकेट गोवर्धन सिंह यादव, एडवोकेट महेश उपाध्याय, एडवोकेट दीनदयाल पचौरी (प्रदेश सचिव), दिगंबर सिंह (पीडीए), राज गब्बर (महासचिव), एडवोकेट अंशु यादव, एडवोकेट प्रेमचंद, प्रीतम निषाद, ऋषि पाराशर, एडवोकेट नितिन सैनी, एडवोकेट प्रशांत, मोनू यादव, मुकेश पहलवान, एडवोकेट रमेश पचौरी, जावेद कुरैशी, एडवोकेट विनोद यादव, एडवोकेट सुनील चौधरी, एडवोकेट देवेंद्र यादव, एडवोकेट मंगल यादव सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विजिलेंस पुलिस टीम व नागल विद्युत विभाग की टीम ने मिलकर चलाया ग्राम ताजपुर में चलाया चेकिंग अभियान

नागल थाना क्षेत्र के ग्राम ताजपुर में तीन बिजली उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करते हुए विजिलेंस पुलिस टीम ने पकड़ा

राजीव चौधरी

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। सहारनपुर प्रभारी प्रवर्तन दल सहारनपुर विजिलेंस ने जानकारी देते हुए बताया गांव में कई दिनों से चोरी ओवरलोडिंग की शिकायत मिल रही थी पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश सर्तकता पावर कारपोरेशन लखनऊ महोदय के आदेशानुसार व पुलिस अधीक्षक महोदय सर्तकता शक्ति भवन लखनऊ, अपर पुलिस अधीक्षक महोदय डिस्कॉम मेरठ व पुलिस उपाधीक्षक महोदय सर्तकता सहारनपुर परिक्षेत्र सहारनपुर के कुशल निर्देशन में प्रभारी प्रवर्तन दल सहारनपुर उपनिरीक्षक रूपचन्द सिंह व नरेन्द्र कुमार अवर अभियन्ता प्रवर्तन दल सहारनपुर के कुशल नेतृत्व में विजिलेंस पुलिस स्टाप हेड कांस्टेबल

अरूण कुमार, हेड कांस्टेबल जयकुमार, महिला हेड कांस्टेबल रूबी त्यागी, कांस्टेबल घनश्याम व कांस्टेबल अजय कुमार व संदीप चौहान उप खण्ड अधिकारी नागल के साथ मिलकर चलाया चेकिंग अभियान विजिलेंस पुलिस टीम ने विधुत विभाग के साथ जनपद सहारनपुर के नागल थाना क्षेत्र ग्राम ताजपुर में संयुक्त विद्युत चेकिंग अभियान चलाया।

तीनों बिजली चोरी उपभोक्ताओं का नाम व पता

- याकूब पुत्र जिन्दा हसन निवासी ग्राम ताजपुर थाना नागल जनपद सहारनपुर
- सचिन पुत्र सुधीर त्यागी निवासी ग्राम ताजपुर थाना नागल जनपद सहारनपुर
- आकाश पुत्र अनिल कुमार निवासी ग्राम ताजपुर थाना नागल जनपद सहारनपुर उत्तर प्रदेश

विजिलेंस टीम ने बिजली चोरों के खिलाफ छापेमारी करते हुए कई जगह छापेमारी की लंबे समय से बिजली चोरी को लेकर मिल रही शिकायतों की रोकथाम को लेकर विजिलेंस टीम ने बिजली चोरों के खिलाफ बड़े स्तर पर छापेमारी अभियान चलाया।

नागल उप खण्ड अधिकारी संदीप चौहान ने कहा जो बिजली उपभोक्ता चोरी करता पाया जाएगा उनके खिलाफ भी बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

उन्होंने बिजली उपभोक्ताओं अनुबंधित भार से अधिक बिजली का इस्तेमाल न करने तथा सभी विद्युत उपकरणों को एक साथ न चलाने की अपील करते हुए बिजली चोरी की रोकथाम को लेकर आगे भी अभियान जारी रहने की बात कही। वहीं, बिजली चोरों के खिलाफ छापेमारी से बिजली चोरों में दिन भर हड़कंप मचा रहा।

मीडिया मंच की बैठक का हुआ सफल आयोजन

पत्रकारो को बेचने वाले मठाधीश अब होंगे बेनकाब: आलोक अग्रवाल

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। पत्रकारो के संगठन मीडिया मंच की बैठक अम्बाला रोड स्तिथ एक होटल मे आयोजित की गई जिसमें जिलाध्यक्ष आलोक अग्रवाल ने पत्रकारो पर हो रहे उत्पीड़न को लेकर आवाज उठाई, ओर कहा की पत्रकार का उत्पीड़न कुछ लोगो के अपने संगठनों के ही लोग करवा रहे है।

उन्होंने आह्वान किया कि उनका संगठन पत्रकारो के हित के लिये सदैव खड़ा रहेगा ! आलोक अग्रवाल ने कहा की आज पत्रकार को झूठे मुकदमो में फंसाया जाता है लेकिन पत्रकार ही आज पत्रकार का दुश्मन बना हुआ है, यही नही कुछ मठाधीश तो पत्रकार को अपने स्वार्थ के कारण बेच तक देते है उन्हें अब बेनकाब किया जाएगा। यही नही अब ऐसे लोग जो राजनीति से पत्रकारिता में आकर लोभवश पत्रकारो को बीच अधर में छोड़ देते है, उनसे भी सावधान रहने की आवश्यकता है। बैठक में सभी पत्रकारो ने अपने अपने विचार साझा करते हुए संगठन को मजबूत करने की बात कही, मुख्य रूप से बैठक में ऐसे लोगो को चिन्हित किये जाने पर बल दिया जो पत्रकारो की आड़ में पत्रकार का उत्पीड़न कर स्वार्थवश कही छुप जाते है।

आलोक अग्रवाल ने कहा कि उनका स्पष्ट मत है कि पत्रकार चाहे किसी भी संगठन का हो, किसी भी संगठन से जुड़ा हो अगर उसका संगठन उसकी मदद नहीं करता उसका साथ नहीं देता ऐसी कंडीशन में मीडिया मंच उसके साथ खड़ा होकर न्याय दिलाने का काम करेगा। आलोक अग्रवाल ने कहा कि हम निस्वार्थ भाव से पत्रकार के लिए खड़े होंगे, और पत्रकार का उत्पीड़न नही होने देंगे, चाहे विकास प्राधिकरण की तरह का मामला हो या फिर किसी गुटखे वाले का मामला,सब संगठित रूप से साथ खड़े रहकर डट कर अन्याय का मुकाबला करेंगे।

बैठक में मुख्य रूप से अबलीश गौतम(प्रभारी दैनिक स्वराज जागरण), मोनू कुमार(प्रभारी दैनिक धारा न्यूज), सार्थक शर्मा(राजनीतिक अड्डा, न्याय परिक्रमा), कुणाल(वन्देभारत न्यूज चैनल), राजीव मोंगरा(दैनिक वेलकम इंडिया), विनय जैन(वाई वी 18 न्यूज चेनल), मनीष अरोड़ा(आराधना चेनल), मुकेश मनवाल (दैनिक धारा न्यूज), मुराद अली(दैनिक एक्सप्रेस न्यूज भारत),, महेश रज्जरवाल (दैनिक अमर चिंगारी), सचिन तनेजा (दैनिक फ्रीडम भारत), फरहत खान(क्यू एम लाइव भारत),कमल गर्ग(डीकेएस न्यूज) रमन गुप्ता, निशांत गुप्ता, अमित यादव ने भी पत्रकारो के लिए संगठित होने की बात कही। अंत मे भावी रूपरेखा के तौर पर संगठन ने समाज मे फैली हुई अव्यवस्थाओं को भी सही करने का संकल्प लिया, यही नही जो राजनेता भी पत्रकारो के उत्पीड़न में शामिल होंगे उनकी पार्टी के मुखिया को ज्ञापन के माध्यम से भी सूचित किया जाएगा। तथा विभिन्न क्षेत्रों ओर उनके वरिष्ठ नेताओं को ज्ञापन देने का कार्य किया जाएगा।

अखिलेश यादव की पुत्री पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में सपा कार्यकताओं ने सौंपा ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। समाजवादी महिला सभा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया पाठक के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बखिरा थाना अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर सोशल मीडिया पर सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पुत्री के खिलाफ की गई कथित अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणियों पर कड़ी नाराजगी जताई। कार्यकताओं ने दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की।

प्रिया पाठक ने कहा कि किसी भी महिला और राजनीतिक परिवार के सदस्य के खिलाफ इस तरह की अशोभनीय टिप्पणी सामाजिक मयार्दाओं के विरुद्ध है। ज्ञापन सौंपने वालों में रामरूप भादव, ओमकार पांडेय, रियाज अहमद सहित समाजवादी पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन साल से अधूरी पड़ी जल जीवन मिशन की टंकी, ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। विकास खंड क्षेत्र के गांव इस्लामपुर घसोली में जल जीवन मिशन के तहत निमार्णाधीन पानी की टंकी का कार्य पिछले तीन वर्षों से अधूरा पड़ा होने पर ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

गांव के दर्जनों लोगों और ग्राम प्रधान ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र भेजकर निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने की मांग की है।

ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत गांव में पानी की टंकी, पंप हाउस और पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू किया गया था, लेकिन करीब तीन वर्ष पूर्व कार्य अधूरा छोड़ दिया गया।

इसके बाद कई बार ग्राम प्रधान और ग्रामीणों द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को शिकायत पत्र दिए गए, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अधूरा निर्माण कार्य होने के कारण करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्ति धीरे-धीरे क्षतिग्रस्त हो रही है।

गांव में बिछाई गई पाइपलाइन, पंप हाउस और पानी की टंकी रखरखाव के अभाव में खराब होने की स्थिति में पहुंच रहे हैं। वहीं, ग्रामीणों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है और उन्हें पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। शिकायतकताओं का कहना है कि निर्माण कार्य अधूरा छोड़ने के बाद न तो कोई ठेकेदार गांव में पहुंचा और न ही संबंधित विभाग का कोई अधिकारी निरीक्षण करने आया। इससे सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का उद्देश्य हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, लेकिन गांव इस्लामपुर घसोली के लोग आज भी योजना के लाभ से वंचित हैं।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले की जांच कराकर अधूरा निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग की है। इस दौरान प्रधान पति उमर नवाज,रामबीर, सुशील, सोनू कुमार, नवनीत, संजय आदि लोग मौजूद रहे।

दुधारा निवासी मोहम्मद अहमद बने उत्तर प्रदेश कौमी तंजीम के प्रदेश महामंत्री

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश कौमी तंजीम के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद तालिब अली ने राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री तारिक अनवर के निर्देश पर दुधारा निवासी मोहम्मद अहमद को प्रदेश महामंत्री के पद पर मनोनीत किया है। इस मनोनयन पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रवीण चन्द्र पाण्डेय, सैयद तारिक हुसैन, सुनील पाण्डेय, अरुण पाण्डेय, अहमद जमाल अंसारी, मोईन अंसारी, अतीउल्लाह सिद्दीकी, मुहम्मद यूसुफ खान, जमाल खान, जिलाध्यक्ष मुहम्मद परवेज अख्तर, अतीक सिद्दीकी, अब्दुल कलाम, कारी महबूब आलम नदवी, अब्दुर्रहीम, मुहम्मद शाहिद, नूर आलम सिद्दीकी, मौलाना उबैदुर्रहमान आदि ने खुशी का इजहार करते हुए बधाई दिये हैं।

थाना मेंहदावल पुलिस ने एक अदद अवैध देशी पिस्टल .32 बोर के साथ 01 अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

संतकबीरनगर(वेलकम इंडिया)। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन व क्षेत्राधिकारी मेंहदावल सर्व दवन सिंह के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक मेंहदावल राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम उ0नि0 मैनेजर यादव, कां0 अनुराग कुमार सिंह, कां0 धीरेन्द्र प्रताप सिंह, कां0 उदय प्रताप सिंह ने अभियुक्त राहुल सोनी पुत्र सुभाषचन्द्र सोनी निवासी कस्बा रुधौली बखिरा रोड थाना रुधौली जनपद बस्ती को प्रेमा स्कुल के पश्चिम तिराहा बहदग्राम अछिया से एक अदद अवैध देशी पिस्टल .32 बोर के साथ दिनाँक 10.06.2026 को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय रवाना किया गया तथा गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना मेंहदावल पर मु0अ0सं0 239/2026 धारा 3/25 आयुध अधिनियम पंजीकृत किया गया।

धोखाधड़ी कर जमीन का बैनामा कराने और मकान गिराने का आरोप

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दौलत निवासी एक दंपति ने मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी तथा अन्य उच्चाधिकारियों को शिकायत पत्र भेजकर जमीन की कथित धोखाधड़ी, कब्जे के प्रयास और मकान ध्वस्त किए जाने के मामले में कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी दौलत निवासी सन्नो पत्नी गय्यूर का आरोप है कि उन्होंने वर्ष 2023 में दानपत्र के माध्यम से कृषि भूमि का वैध स्वामित्व प्राप्त किया था। शिकायत के अनुसार उक्त भूमि गांव गंगेरू उत्तरी क्षेत्र में स्थित है तथा आबादी से सटी हुई है। आरोप है कि कुछ लोगों ने आपराधिक षड्यंत्र रचकर उनकी भूमि का फर्जी तरीके से बैनामा अपने नाम करा लिया।पीड़िता का कहना है कि अक्टूबर और नवंबर 2024 में दो अलग-अलग बैनामों के माध्यम से भूमि का विक्रय दशार्या गया, जिसकी कुल कीमत करीब 29.30 लाख रुपये दिखाई गई। बैनामे में भुगतान चेक के माध्यम से होना दशार्या गया, लेकिन वास्तविकता में केवल पांच लाख रुपये ही उनके खाते में पहुंचे। आरोप है कि बाद में इसी राशि में से भी 2.40 लाख रुपये धोखे से वापस दूसरे खाते में ट्रांसफर करा लिए गए।आरोप है कि पर्याप्त भुगतान किए बिना ही आरोपियों ने भूमि का बैनामा अपने पक्ष में दर्ज करा लिया, जो धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात का मामला है। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि उनके पति के विरुद्ध कार्रवाई कराए जाने के दौरान उनकी अनुपस्थिति का लाभ उठाकर आरोपियों ने भूमि पर कब्जा करने की नीयत से वहां बने मकान को जेसीबी मशीन से तुड़वा दिया। गुरुवार को पीड़िता ने मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपियों के विरुद्ध धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक विश्वासघात तथा अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है। साथ ही भूमि और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी गुहार लगाई है।

छत पर पानी की सप्लाई बंद करने गई महिला पर बंदर का हमला, घायल

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। नगर के मोहल्ला रायजादगान में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को एक महिला पर बंदर ने हमला कर उसे घायल कर दिया। परिजनों ने घायल महिला को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार और एंटी रेबीज वैक्सीन लगाने के बाद उसे छुट्टी दे दी। नगर एवं क्षेत्र में आवारा कुत्तों और बंदरों का आतंक लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। इसके चलते आए दिन महिला, पुरुष और बच्चे बंदरों व कुत्तों के हमलों का शिकार होकर घायल हो रहे हैं। गुरुवार को मोहल्ला रायजादगान निवासी 50 वर्षीय महिला सुमन पत्नी कृष्ण अपने मकान की छत पर पानी के टैंक की सप्लाई बंद करने के लिए गई थीं। इसी दौरान वहां मौजूद एक बंदर ने उस पर अचानक हमला बोल दिया। बंदर के हमले में महिला घायल हो गई। महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और डंडों की मदद से बंदर को भगाया ।इसके बाद परिजन घायल महिला को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया और एंटी रेबीज वैक्सीन लगाने के बाद महिला को घर भेज दिया ।सरकारी चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि किसी भी प्रकार के आवारा जानवर के काटने या हमला करने की स्थिति में तत्काल अस्पताल पहुंचकर एंटी रेबीज वैक्सीन अवश्य लगवानी चाहिए। लापरवाही बरतना जानलेवा साबित हो सकता है।

पुलिस भर्ती परीक्षा देने आई भांजी के पति की हत्या, मां और मामा समेत 3 गिरफ्तार

राजीव मोंगरा

रामपुर मनिहारान(वेलकम इंडिया)। रामपुर मनिहारान पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा कर दिया है। पुलिस टीम ने मुजफ्फरनगर और शामली से जुड़े इस ऑनर किलिंग के मामले में एक महिला सहित तीन मुख्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अभियुक्तों के पास से हत्या में इस्तेमाल किया गया अवैध तमंचा और कारतूस भी बरामद कर लिया गया है।

पुलिस पूछताछ में मुख्य अभियुक्त कर्मवीर ने बताया कि उसकी भांजी आकांक्षा ने इसी साल फरवरी में अपने ही गांव के शिवकुमार के साथ लव मैरिज की थी। दोनों एक ही बिरादरी के थे और इस शादी से परिवार वाले अपनी बेइज्जती महसूस कर रहे थे। शादी के बाद से ही दोनों मुजफ्फरनगर में रह रहे थे। बीते 9 जून को आकांक्षा की सहारनपुर के रामपुर मनिहारन क्षेत्र में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की परीक्षा थी। जब इसकी भनक मायके वालों को लगी, तो वे छह लोग परीक्षा केंद्र पर पहुंच गए। आकांक्षा की मां विमला ने उसे वापस घर चलने को कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। इसके बाद जब आकांक्षा और शिवकुमार कार में बैठकर जाने लगे, तो समाज में हुई बदनामी का बदला लेने के लिए आरोपियों ने दोनों की हत्या करने की योजना बना ली। योजना के मुताबिक, आरोपी कर्मवीर, मंजीत और रवि मोटरसाइकिल से शिवकुमार की गाड़ी के पीछे लग गए। मौका मिलते ही आरोपियों ने गाड़ी के पास जाकर खिड़की की तरफ से शिवकुमार को गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद वादी सुलेखचन्द (मृतक के पिता) की तहरीर पर रामपुर मनिहारन थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निदेर्शानुसार, एसपी सिटी और क्षेत्राधिकारी नकुड़ के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक उम्मेद कुमार के नेतृत्व वाली पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने चुनहैटी फ्लाईओवर के नीचे से वांछित अभियुक्त कर्मवीर और मृतका की मां विमला को गिरफ्तार किया। वहीं, तीसरे आरोपी रवि कुमार को शिवदास पुलिया के पास से दबोचा गया। आरोपी रवि की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल 315 बोर का एक देशी तमंचा, एक जिंदा कारतूस और नाल में फंसा खोखा बरामद किया गया है। पुलिस ने मामले में आर्म्स एक्ट की धाराएं बढ़ा दी हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों ने पूछताछ में अपने नाम कर्मवीर पुत्र सिरदारा (निवासीः खेड़ा हटाना, बड़ौत, बागपत), विमला पत्नी रोहताश (निवासीः खेड़ी बैरागी, बाबरी, शामली), रवि कुमार पुत्र बृहमपाल (निवासीः बनत, आदर्श मंडी, शामली) बताये है। अभियुक्तों के पास से 01 देशी तमंचा 315 बोर (आलाकत्ल), 01 जिन्दा कारतूस 315 बोर एवं 01 खोखा कारतूस 315 बोर बरामद हुए है। इस हत्याकांड का त्वरित खुलासा करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक उम्मेद कुमार, उपनिरीक्षक ललित कुमार, कांस्टेबल अंकित कुमार, कांस्टेबल अंकित सोम, महिला कांस्टेबल नजमा और रिजर्व महिला कांस्टेबल अर्चना शामिल रहीं। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

छोटे इमामबाड़े पर वक्फ ट्रिब्यूनल का फैसला, पुनर्निर्माण का रास्ता साफ

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। थाना क्षेत्र के गांव गंगेरू की सादात पट्टी स्थित छोटे इमामबाड़े को लेकर पिछले चार वर्षों से चल रहे विवाद पर वक्फ ट्रिब्यूनल ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायालय ने छोटे इमामबाड़े को सार्वजनिक वक्फ संपत्ति माना है और इसे किसी व्यक्ति या परिवार की निजी संपत्ति मानने से इनकार कर दिया है। साथ ही गांव के सभी लोगों को यहां मजलिस और मातम आयोजित करने का समान अधिकार बताया है ।विवाद वर्ष 2022 में वक्फ बोर्ड द्वारा इमामबाड़े के प्रबंधन के लिए कमेटी गठित किए जाने के बाद शुरू हुआ था। अमीर मोहम्मद ने ट्रिब्यूनल में याचिका दाखिल कर इमामबाड़े और जोहर वाली मस्जिद को जन्नतुन्निसा वक्फ का हिस्सा बताते हुए मुतवल्ली पद पर अपने परिवार का अधिकार होने का दावा किया था। ट्रिब्यूनल ने उनके दावों को खारिज कर दिया था ।न्यायालय ने अपने फैसले में कहा कि जन्नतुन्निसा वक्फ और छोटा इमामबाड़ा अलग–अलग वक्फ संपत्तियां हैं तथा सर्वे अभिलेखों में भी दोनों का अलग–अलग उल्लेख है। साथ ही वक्फ बोर्ड द्वारा वर्ष 2022 में गठित कमेटी और अफसर अब्बास को मुतवल्ली नियुक्त किए जाने के निर्णय को भी सही ठहराया ।फैसले के बाद करीब सौ वर्ष पुराने जर्जर इमामबाड़े के पुनर्निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। कानूनी विवाद के कारण अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका था। मुतवल्ली अफसर अब्बास ने फैसले का स्वागत करते हुए सभी परिवारों से इमामबाड़े के पुनर्निर्माण में सहयोग की अपील की है।

नींद की झपकी बनी हादसे की वजह, डिवाइडर पर चढ़ी पिकअप स्ट्रीट लाइट पोल से टकराई

मोहसिन रहमानी

कांधला(वेलकम इंडिया)। कस्बे के दिल्ली बस अड्डे पर देर रात एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब पिकअप गाड़ी चालक को अचानक नींद की झपकी आ गई। झपकी आने से चालक का संतुलन बिगड़ गया और पिकअप गाड़ी डिवाइडर पर चढ़कर स्ट्रीट लाइट के पोल से टकरा गई। हादसे में स्ट्रीट लाइट का पोल और पिकअप गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि चालक को मामूली चोटें आईं। शामली के थाना आदर्श मंडी क्षेत्र के गांव कसेरवा निवासी अंकित पुत्र जगबीर रात के समय बागपत के कस्बा बड़ौत से अपनी पिकअप गाड़ी लेकर गांव लौट रहा था। पिकअप गाड़ी चालक जैसे ही कस्बे के दिल्ली बस अड्डे के पास पहुंचा, तभी उसे अचानक नींद की झपकी आ गई। इसके चलते पिकअप गाड़ी चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन फिल्मी अंदाज में डिवाइडर पर चढ़ गया। इसके बाद गाड़ी डिवाइडर के बीच खड़े स्ट्रीट लाइट के पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि स्ट्रीट लाइट का पोल क्षतिग्रस्त हो गया और पिकअप गाड़ी भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर आसपास मौजूद दुकानदारों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पिकअप गाड़ी में फंसे चालक को सुरक्षित बाहर निकाला। चालक को मामूली चोटें आने पर उपचार के लिए पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चालक के सुरक्षित होने पर पुलिस ने राहत की सांस ली।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी संबंधित विभाग को दे दी गई है। स्ट्रीट लाइट का पोल क्षतिग्रस्त हुआ है, जबकि पिकअप चालक सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

महिलाओं पर अश्लील टिप्पणी करने वाला मनचला दबोचा

राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। महिला सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान के तहत थाना बिहारीगढ़ की एंटी रोमियो टीम ने कार्रवाई करते हुए महिलाओं और बालिकाओं पर अश्लील टिप्पणी करने वाले एक मनचले युवक को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर के निर्देशन में महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम एवं महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जनपदभर में लगातार चेकिंग और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी बेहट के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक बिहारीगढ़ श्री सतेन्द्र सिंह के नेतृत्व में एंटी रोमियो टीम द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने सड़क पर आने-जाने वाली महिलाओं और बालिकाओं पर अश्लील टिप्पणी कर उन्हें परेशान करने वाले युवक को ग्राम सुंदरपुर स्थित टांको इंटर कॉलेज के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शाबान पुत्र शमशेर सिंह निवासी ग्राम भगतोवाला, थाना झबरेड़ा, जिला हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध थाना बिहारीगढ़ में मु0अ0सं0 90\26 के तहत धारा 296 बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी तथा सार्वजनिक स्थानों पर अभद्र व्यवहार करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

बाढ़ आपदा से निपटने को एनडीआरएफ व प्रशासन का संयुक्त मॉकड्रिल: राहत-बचाव कार्यों का किया प्रदर्शन

असदुल्लाह सिद्दीकी

बांसी/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जनपद में संभावित बाढ़ आपदा से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए गुरुवार को तहसील बांसी स्थित रानी मोहभक्त लक्ष्मी घाट पर व्यापक मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी एवं इंसिडेंट कमांडर शिवशरणप्पा जीएन के निर्देशन में आयोजित इस अभ्यास में एनडीआरएफ गोरखपुर, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, पीएसी, राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों की टीमों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। मॉकड्रिल के दौरान बाढ़ की काल्पनिक स्थिति तैयार की गई, जिसमें स्थानीय लोगों द्वारा नदी में भीषण बाढ़ आने और पानी के आबादी वाले क्षेत्रों में प्रवेश करने की सूचना जिला नियंत्रण कक्ष को दी गई। सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया और लगभग 50 मिनट के भीतर सभी राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए। इसके बाद बाढ़ प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का अभियान चलाया गया। अभ्यास के दौरान एनडीआरएफ टीम ने नदी में डूबे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालने, प्राथमिक उपचार देने तथा जीवन रक्षक उपायों का प्रदर्शन किया। टीम ने यह भी बताया कि घर में उपलब्ध संसाधनों की सहायता से अस्थायी राफ्ट तैयार कर आपदा के समय उसका उपयोग कैसे किया जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने घायलों के उपचार की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया, जबकि पेयजल आपूर्ति, पशुओं के चारे और राहत सामग्री वितरण की व्यवस्था से संबंधित विभागों ने अपनी तैयारियों का प्रदर्शन किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि सिद्धार्थनगर बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील जनपद है। ऐसे में सभी विभागों को पूर्ण सतर्कता और समन्वय के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। मॉकड्रिल में उपजिलाधिकारी बांसी निखिल चक्रवर्ती, क्षेत्राधिकारी बांसी, तहसीलदार बांसी, एनडीआरएफ के अधिकारी, आपदा मित्र, विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। जिला प्रशासन ने आपदा नियंत्रण कक्ष के नंबर 05442-97010 एवं 05442-97030 जारी करते हुए आपात स्थिति में तत्काल संपर्क करने की अपील की।

पुलिस ने 04 बिजली तार चोरों को किया गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। सलेमपुर थाना पुलिस ने मौ. नासिर पुत्र लियाकत व मौ. कफील पुत्र सलीम निवासी गांव भाईपुरा थाना कोतवाली देहात बुलंदशहर और गोपी पुत्र लखपत व तसलीम पुत्र अब्बास निवासी ग्राम कुच्छेजा थाना कोतवाली देहात बुलंदशहर को ग्राम याकूबपुर जाने वाले रास्ते पर बनी पुलिया से गिरफ्तार किया गया है जिनके कब्जे से एक कुंटल 36 किलो चोरी हुए बिजली के तार और चोरी में प्रयोग किए गए अन्य उपकरण और अवैध असलाह के साथ गिरफ्तार किए गए हैं। सलेमपुर थाना प्रभारी नितिन जावला ने बताया है कि चारों आरोपियों के विरुद्ध थाना सलेमपुर सहित कोतवाली देहात व कोतवाली नगर बुलंदशहर तथा थाना एन्टी पावर थैफ्ट थाना बुलंदशहर में मुकदमा पंजीकृत थे। पुलिस को उनकी लंबे समय से तलाश थी। चारों आरोपियों को सलेमपुर थाना पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार कर बीएनएस की धाराओं में मुकदमा पंजीकृत करते हुए अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की गई है।

डॉ. चंद्रेश छतलानी ने बनाया दसवां विश्व रिकॉर्ड: हिंदी में एआई साक्षरता के लिए मिला 'सुप्रीम वर्ल्ड रिकॉर्ड टाइटल'

एआई बोध नाम से चला रहे हैं निःशुल्क ब्लॉग

वेलकम इंडिया संवाददाता

उदयपुर। जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के शिक्षाविद् एवं नवाचारकर्मी डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय पटल पर विद्यापीठ और उदयपुर का नाम गौरवान्वित किया है।

अमेरिका (स्टेट ऑफ व्योमिंग) की प्रतिष्ठित संस्था 'इंटरनेशनल बोर्ड ऑफ एक्सीलेंस' द्वारा संचालित 'सुप्रीम वर्ल्ड रिकॉर्ड टाइटल' ने उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रति जागरूकता और साक्षरता में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए विश्व रिकॉर्ड से सम्मानित किया है। डॉ. छतलानी को यह रिकॉर्ड उनके द्वारा संचालित ब्लॉग 'एआई बोध' के लिए मिला है, जिसे एआई सीखने और जागरूकता को समर्पित प्रथम हिंदी भाषीय ब्लॉग के रूप में आधिकारिक मान्यता प्रदान की गई है।

इस निःशुल्क ब्लॉग के माध्यम से उन्होंने हिंदी भाषी पाठकों को जनरेटिव एआई और एजेंटिक एआई जैसी उभरती और जटिल तकनीकों को सरल तरीके से समझने में सक्षम बनाया है। निरंतर साधना और शिक्षा के प्रति अटूट समर्पण की राह पर चलते हुए डॉ. चंद्रेश कुमार छतलानी का यह दसवां रिकॉर्ड है।

तत्काल प्रभाव से एडीओ पंचायत खुनियांव हटाए गए

असदुल्लाह सिद्दीकी

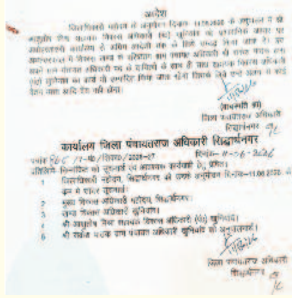

इटवा/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जिले में प्रशासनिक व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए जिला पंचायतराज अधिकारी (DPRO) ने एक बड़ा कदम उठाया है। जिलाधिकारी के अनुमोदन के बाद खुनियांव विकास खंड के एडीओ पंचायत को अग्रिम आदेशों तक जिला मुख्यालय से संबद्ध (अटैच) कर दिया गया है।

मुख्य बिंदु मुख्यालय से संबद्धः सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) खुनियांव आशुतोष मिश्र को प्रशासनिक आधार पर तत्काल प्रभाव से जिला पंचायतराज अधिकारी कार्यालय, सिद्धार्थनगर से संबद्ध किया गया है। इन्हें मिला अतिरिक्त प्रभारः उनके हटने के बाद, विकास खंड के वरिष्ठतम ग्राम पंचायत अधिकारी राकेश पाठक को अपने मूल कर्तव्यों के साथ-साथ एडीओ (पंचायत) खुनियांव का अतिरिक्त कार्यभार सौंप दिया गया है।

बिना अतिरिक्त भत्ते के काम आदेश के मुताबिक, कार्यवाहक एडीओ पंचायत को इस अतिरिक्त जिम्मेदारी के लिए कोई अलग से वेतन या भत्ता देय नहीं होगा। जिला पंचायतराज अधिकारी वाचस्पति झा द्वारा आज 11 जून 2026 को पत्र संख्या 845/7-पं०/शिका०/2026-27 के तहत यह आधिकारिक आदेश जारी किया गया है।

नाबालिग से डराकर वसूली का विरोध करने पर परिवार पर जानलेवा हमला

वेलकम इंडिया संवाददाता

जहांगीराबाद। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम जलीलपुर में एक नाबालिग बच्चे को डरा-धमकाकर वसूली करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस अवैध वसूली का विरोध करना परचून दुकानदार और उसके परिवार को भारी पड़ गया। दबंगों ने दुकान पर पहुंचकर दुकानदार और उसकी पत्नी के साथ बर्बर मारपीट की और दुकान में जमकर तोड़फोड़ की। हमले में गंभीर रूप से घायल दुकानदार को बुलंदशहर रेफर किया गया है। पीड़ित दुकानदार के अनुसार, गांव के ही कुछ युवक उसके 12 वर्षीय नाबालिक बेटे को काफी समय से डरा-धमका रहे थे। आरोप है कि ये युवक बच्चे को डरा धमकाकर दुकान के गल्ले से जबरन रुपये निकलवाते थे और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देते थे। पीड़ित ने बताया कि 8 जून की शाम दुकान पर अपने बेटे को बैठाकर वह किसी काम से घर के अंदर गया था, तब आरोपी युवक ने दुकान पर अकेले बैठे उसके बेटे को धमकाया और गल्ले से 500 रुपये का नोट निकाल लिया। दुकानदार पिता के आने पर बेटे ने गल्ले से जबरन रुपए निकालने वाली बात पिता को बताई तो दुकानदार ने इस बात का विरोध करते हुए आरोपी पक्ष से शिकायत की, तो विवाद बढ़ गया।आरोप है कि शिकायत से बौखलाए दबंगों ने अपने साथियों को इकट्ठा किया और दुकान पर धावा बोल दिया। दुकान पर पहुंचते ही उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी और लोहे की रॉड व लात-घूंसों से दुकानदार पर जानलेवा हमला कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंची दुकानदार की पत्नी के साथ भी अभद्रता की गई और मारपीट की गई। हमलावरों ने दुकान में जमकर तोड़फोड़ की और सारा सामान बिखेर दिया। घटना की सूचना मिलते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। पीड़ित ने तत्काल डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। दुकानदार की गंभीर हालत को देखते हुए उसे जिला अस्पताल बुलंदशहर रेफर कर दिया गया है। कोतवाली प्रभारी सुदेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पीड़ित की ओर से नामजद तहरीर प्राप्त हुई है। तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने भाजपा नेता की मां के निधन पर जताया शोक

संदीप तिवारी

मिजार्मुराद(वेलकम इंडिया)। गौर गांव (मिजार्मुराद) निवासी स्व.वंशनारायण सिंह महिला महाविद्यालय के प्रबंधक एवं भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष संजीव सिंह गौतम की माता कवलवास देवी (80) के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक संवेदना व्यक्त की हैं। प्रधानमंत्री द्वारा रजिस्टर्ड डाक से भेजा गया पत्र गुरुवार को प्राप्त हुआ।

आंधी बारिश आफत बनकर आई बिजली के खंभों को तोड़ा विद्युत आपूर्ति ठप्प

शिकारपुर/बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। शिकारपुर तहसील क्षेत्र के गांव हजरतपुर में आंधी तूफान कहर देखने को मिला बुधवार गुरुवार रात्रि में आफत बन कर आई आंधी बारिश ने बिजली के खंभों को धराशाई कर दिया जिसमें दो खंबे टूट का सड़क पर गिर गए लेकिन समाचार लिखे जाने तक बिजली विभाग के कर्मचारी खंभा उठाने नहीं पहुंचे थे यह लाइन बिजली की ट्यूबेल के लिए जा रही है जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल जंगल की विद्युत आपूर्ति ठप्प पड़ी हुई है।

कस्बे में खराब पड़े सीसीटीवी कैमरे बने शो पीस पुलिस बनी अंजान

पहासू/बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। पहासू थाने के कस्बा पहासू में लगे सरकारी कैमरा बने शो पीस पहासू थाना पुलिस के कस्बे में लगे सरकारी कैमरे कई महीनों से पड़े हैं खराब ।खंबे पर लटके खराब कैमरों का वीडियो सोशल मीडिया पर हो रहा वायरल खराब कैमरा के वायरल वीडियो ने पहासू की सुरक्षा व्यवस्था की खोली पोल आखिर जब सरकार ने सरकारी कैमरों के लिए लाखों रुपए खर्च किए हैं तो फिर पहासू पुलिस ने कैमरे को बना रखा है शो पीस अलीगढ़ चौराहे पर बंद पड़े कैमरा पहासू थाना पुलिस और कस्बा चौकी पुलिस की लापरवाही करते हैं जाहिर पहासू थाने के कस्बा पहासू में अलीगढ़ चौराहे पर लगे बंद पड़े कैमरों की है यह तस्वीर।

पुलिस ने कराए 55 हजार रुपये बैंक खाते में वापस

स्याना/बुलंदशहर(वेलकम इंडिया)। स्याना निवासी सादिक ने विगत 1 जून को शिकायत दर्ज कराई कि उसके क्रेडिट कार्ड से 55 हजार रुपये की साइबर धोखाधड़ी कर ली गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन तथा पुलिस अधीक्षक (अपराध) नरेश कुमार के निकट पर्यवेक्षण में थाना स्याना साइबर हैल्प डेस्क द्वारा अथक परिश्रम करते हुए उक्त 55 हजार रुपये आवेदक सादिक अली के बैंक खाते में वापस करा दिए गए। सादिक ने स्याना पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस क्षेत्राधिकारी रामकरन सिंह ने नागरिकों को सावधान किया है कि किसी अनजान व्यक्ति से खाता संख्या, पिन, ओटीपी, सीवीवी नम्बर इत्यादि साझा न करें तथा खाते से धोखाधड़ी से पैसा निकलने की दशा में तुरन्त 1930 पर कॉल करें। सादिक के खाते में रकम वापस कराने में स्याना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक री रामनारायण सिंह व उनकी टीम के उपनिरीक्षक ब्रजगोपाल सोलंकी, उपनिरीक्षक आनन्द कुमरा दुबे, कांस्टेबल विरीत सरोहा व कृष्ण कुमार कौशिक की मुख्य भूमिका रही।

राष्ट्र रक्षा एवं भारत कल्याण हेतु तपोवन आश्रम में हुआ 'सवा लाख तण्डुल शिवलिंग महायज्ञ' का भव्य आयोजन

सनी कुमार केशरवानी

प्रयागराज(वेलकम इंडिया)। संगम नगरी प्रयागराज के झूंसी स्थित तपोवन आश्रम में गुरुवार को राष्ट्र रक्षा, भारत कल्याण, सनातन धर्म के संरक्षण, विश्व शांति एवं जनकल्याण की कामना से भव्य 'सवा लाख तण्डुल शिवलिंग महायज्ञ' का आयोजन श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य संपन्न हुआ। पूज्य आचार्य हरि कृष्ण शुक्ल गुरुजी के सान्निध्य में आयोजित इस दिव्य महायज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, संत-महात्माओं एवं धर्मप्रेमियों ने सहभागिता कर भगवान शिव का पूजन-अर्चन किया।

आचार्य हरि कृष्ण शुक्ल गुरुजी ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व एवं भारत विभिन्न प्रकार की खगोलीय और ज्योतिषीय चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय में वैदिक यज्ञ एवं आध्यात्मिक अनुष्ठान नकारात्मक ऊजाओं और अशुभ प्रभावों को समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस महायज्ञ का सकारात्मक प्रभाव आगामी 15 दिनों के भीतर भारतवर्ष में स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगेगा तथा राष्ट्र के लिए शुभ एवं कल्याणकारी परिस्थितियों का निर्माण होगा।

महायज्ञ के दौरान सवा लाख तण्डुल (चावल) से शिवलिंगों का निर्माण कर वैदिक विधि-विधान के साथ पूजन, दिव्य रुद्राभिषेक एवं विशेष अनुष्ठान संपन्न कराए गए। पूरे आश्रम परिसर में 'हर-हर महादेव' और वैदिक मंत्रों की गूंज से भक्तिमय एवं आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हो गया।इस अवसर पर आचार्य हरि कृष्ण शुक्ल गुरुजी ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और विश्व शांति के लिए आध्यात्मिक जागरण अत्यंत आवश्यक है। सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं मानवता के कल्याण हेतु ऐसे धार्मिक आयोजनों की भूमिका सदैव प्रेरणादायी रही है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से राष्ट्रहित, समाजहित और मानव कल्याण के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

महायज्ञ के उपरांत विशाल महाभंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सनातन शक्ति, राष्ट्रीय चेतना और जनकल्याण का एक विराट अभियान है, जिसका उद्देश्य समाज में आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, संत-महात्माओं, सामाजिक कार्यकताओं तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

चार दिन बाद भी नहीं मिला यशपाल का शव

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुगरासी। 4 दिन पहले जिला अमरोहा के थाना हसनपुर के गांव मिलक निवासी यशपाल व मनोज अपने दोस्तों के साथ भगवानपुर गंगा पर स्नान करने आये थे,नहाते नहाते अचानक गहरे पानी में चले गये, जिसमें मनोज व यशपाल तो पानी में डूब गये बाकी पानी से बहार निकल आये। तभी से गोताखोर व एनडीआरएफ की संयुक्त टीमें दोनो को तलाश करने में लगी हुई है ।मनोज का शव बुधवार को मिल गया था स्थानीय पुलिस ने मनोज के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल में भेज दिया था लेकिन यशपाल का शव अभी तक नही मिला है ।शव को देखने के लिए गंगा किनारे काफी भीड़ जुटी है। समाचार लिखे जाने तक यशपाल का शव नही मिला है लेकिन एनडीआरएफ की टीम व गोताखोर शव को तलाशने में कार्यरत हैं।

एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत किसान गोष्ठी का हुआ आयोजन

असदुल्लाह सिद्दीकी

बांसी/सिद्धार्थनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद में कालानमक चावल के उत्पादन क्षेत्र को बढ़ाने एवं किसानों को प्रसंस्करण, ब्रांडिंग तथा पैकेजिंग से जोड़ने के उद्देश्य से एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत स्थापित कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बांसी विधायक जय प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

गोष्ठी का आयोजन मेसर्स शिवांस सिद्धार्थनगर सीएफसी के निदेशक अभिषेक सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान किसानों को कालानमक धान की अनुबंधित खेती, उत्पादन क्षेत्र विस्तार, सीएफसी की सदस्यता ग्रहण करने तथा सीएफसी से जुड़कर धान की प्रोसेसिंग, ब्रांडिंग एवं पैकेजिंग का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

उपनिदेशक कृषि ने किसानों को कालानमक धान की वैज्ञानिक खेती एवं कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। वहीं सहायक आयुक्त उद्योग शिव शंकर कुमार ने ओडीओपी एवं उद्योग विभाग की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए सीएफसी के बेहतर संचालन और पूर्ण क्षमता उपयोग के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ओडीओपी कंसल्टेंट अनुराग सिंह के सहयोग से केंद्र के संचालन को और प्रभावी बनाया जा रहा है।

सीएफसी के निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि उनकी टीम किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार एवं लगातार गोष्ठियों के माध्यम से एसपीवी और किसान सदस्यों की संख्या बढ़ाने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी सत्र में किसानों के साथ अनुबंधित खेती के माध्यम से 2000 हेक्टेयर क्षेत्र में कालानमक धान की रोपाई का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे सीएफसी की क्षमता का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने यह भी बताया कि एसपीवी सदस्य एवं गैर-एसपीवी सदस्य किसान, जिनके पास 4 टन से अधिक कालानमक धान उपलब्ध होगा, उन्हें प्रसंस्करण एवं परिवहन की सुविधा निःशुल्क प्रदान की जाएगी।

मुख्य अतिथि विधायक जय प्रताप सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कालानमक किसानों के लिए सीएफसी की स्थापना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने अधिक से अधिक किसानों से सीएफसी से जुड़कर प्रोसेसिंग, पैकेजिंग एवं विपणन संबंधी सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम में सीएफसी के पदाधिकारी, सदस्य किसान एवं बड़ी संख्या में कालानमक धान उत्पादक किसान उपस्थित रहे।

पर्व बैंक्वेट हॉल का सांसद, विधायक व पालिका चेयरमैन ने किया भव्य शुभारंभ

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग राज चोपला के निकट पर्व बैंक्वेट हॉल का सांसद डॉ राजकुमार सांगवान, विधायक डॉक्टर मंजू शिवाच व पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली ने संयुक्त रूप से भव्य शुभारंभ किया।

इस मौके पर डॉ राजकुमार सांगवान व विधायक डॉक्टर मंजू शिवाच, पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली ने कहा कि विवाह, सामाजिक समारोहों एवं कॉर्पोरेट आयोजनों के लिए पर्व वेंकट हॉल एक नया और भव्य वेन्यू अपने आधुनिक डिजाइन, उत्कृष्ट सुविधाओं और बेहतरीन आतिथ्य सेवाओं के साथ लोगों के लिए उपलब्ध हो गया है। यह वेन्यू हर प्रकार के आयोजन को यादगार बनाने के उद्देश्य से विशेष रूप से डिजाइन किया गया है।

पर्व बैंक्वेट हॉल के प्रबंधक संदीप गर्ग ने बताया कि इस वेन्यू का पूर्णतः वातानुकूलित (एयर कंडीशन्ड) बैंक्वेट हॉल 15,000 वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें लगभग 500 मेहमानों के बैठने एवं आयोजन की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त लगभग ९,००० वर्ग फुट में विकसित सुंदर लैंडस्केप्ड लॉन 300 मेहमानों तक के समारोहों के लिए आदर्श है, जबकि 3,000 वर्ग फुट का आकर्षक कोर्टयार्ड लगभग 100 मेहमानों वाले निजी एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए एक बेहतरीन विकल्प प्रदान करता है। इस आयोजन स्थल की सबसे विशेष और अनूठी पहचान इसका एक्सक्लूसिव मेजानाइन फ्लोर है, जो दिल्ली-एनसीआर के चुनिंदा वेन्यूज में ही देखने को मिलता है।

लगभग 50 से 60 मेहमानों की क्षमता वाला यह विशेष क्षेत्र वीआईपी बैठने की व्यवस्था, प्रीमियम लाउंज अथवा आकर्षक बार सेटअप के रूप में उपयोग किया जा सकता है, जिससे विशिष्ट अतिथियों को एक अलग और शानदार अनुभव प्राप्त होता है। मेहमानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस वेन्यू में 16 आधुनिक एवं सुसज्जित कमरों का भी विकास किया जा रहा है, जो आने वाले कुछ महीनों में संचालन के लिए तैयार हो जाएंगे। इन कमरों के शुरू होने के बाद यह वेन्यू डेस्टिनेशन वेडिंग्स, रेजिडेंशियल वेडिंग्स और बहु-दिवसीय समारोहों के लिए एक संपूर्ण और आदर्श विकल्प बन जाएगा।

शानदार वेडिंग्स पिछले 15 वर्षों से विवाह एवं आतिथ्य उद्योग में एक विश्वसनीय और प्रतिष्ठित नाम रहा है। इस दौरान संस्थान को देश के कुछ सबसे प्रतिष्ठित फाइव स्टार होटलों और शाही महलों में लग्जरी वेडिंग्स तथा डेस्टिनेशन समारोहों के सफल आयोजन का गौरव प्राप्त हुआ है। वर्षों के अनुभव और उत्कृष्ट सेवाओं के प्रति समर्पण ने शानदार वेडिंग्स को इस क्षेत्र में एक विशेष पहचान दिलाई है। आतिथ्य और भोजन हमेशा से हमारी पहचान और सफलता का आधार रहे हैं।

प्रीमियम कैटरिंग और फूड इंडस्ट्री में 15 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ हम भली-भांति समझते हैं कि किसी भी सफल आयोजन की आत्मा उसका भोजन होता है। इसी अनुभव के आधार पर हम अपने मेहमानों को उच्च गुणवत्ता वाले शुद्ध शाकाहारी व्यंजनों का अनुभव प्रदान करते हैं, जिन में श्रेष्ठ सामग्री, आकर्षक प्रस्तुति और उत्कृष्ट सेवा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाता है। अपने आधुनिक वास्तुशिल्प, बहुउद्देशीय आयोजन स्थलों, उत्कृष्ट आतिथ्य सेवाओं और बेहतरीन पाक-कला के साथ यह नया वेन्यू क्षेत्र में विवाह एवं अन्य समारोहों के लिए एक नई पहचान स्थापित करने की ओर अग्रसर है।

एकल-उपयोग प्लास्टिक उन्मूलन हेतु जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज में एकल-उपयोग प्लास्टिक उन्मूलन हेतु जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत अंग्रेजी विभाग द्वारा 'सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम' विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लगभग 25 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण तथा प्लास्टिक प्रदूषण के दुष्प्रभावों पर आकर्षक एवं संदेशपूर्ण पोस्टर तैयार किए। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पूनम शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया तथा दैनिक जीवन में कपड़े के थैले, धातु एवं पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं के प्रयोग को बढ़ावा देने का संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे और छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अनीता खन्ना एवं डॉ. रूबी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना तथा समाज को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए प्रेरित करना था। अंत में सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया।

विद्युत जनकल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष ने वोल्टेज ड्रॉप की समस्या से निजात दिलाने की मांग की

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। विद्युत जन कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष विनोद गौतम ने बिजली विभाग अधिशासी अभियंता एवं उपखंड अधिकारी को लिखे एक पत्र में गदाना शहरी बिजली घर से पोषित फीडर, इंदिरापुरी, तिबड़ा रोड, और कृष्ण कुंज, में वोल्टेज ड्रॉप की समस्या से अवगत कराते हुए समस्या से निजात दिलाए जाने की मांग की है।

विनोद गौतम ने पत्र में कहा है कि उपरोक्त विषयक के संबंध में गली नंबर 4 वाल वाली गली, सागर पेंटर वाली गली, गाजियाबाद वालू गली, सिद्धार्थ मोहल्ला, व गली 3, एवं 20 फुटा रोड, भूपेंद्रपूरी जो इंद्रपुरी मोहल्ला तथा चुना भट्टी से नंद नगरी तक इन मोहल्ले में लंबी दूरी से आपूर्ति होने के कारण टेल तक वोल्टेज ड्रॉप हो रही है। पिछले 3 वर्षों से यह समस्या अधिक बढ़ती जा रही है जिसके कारण विद्युत उपभोक्ताओं के उपकरण भी फूंकते रहते हैं।

वोल्टेज ड्राप के कारण लाइनों में लोड आता है, इसी कारण फॉल्ट भी अधिक होते रहते हैं जिससे विद्युत विभाग के अधिकारी व कर्मचारी इस समस्या से जूझते रहते हैं। जिससे विभाग की छवि भी धूमिल होती है। इस संबंध में प्रार्थी ने समस्याओं के समाधान की ओर उपखंड तृतीया के उपखंड अधिकारी श्रीमान राम इकबाल जी को स्थान का मुआयना कराया गया था। जिसमें श्रीमान जी द्वारा समाधान का आश्वासन दिया गया था। जहां ट्रांसफार्मर लगने में कोई समस्या नहीं आए। उस एरिया में अंडरग्राउंड केबल से एक्स एल पी ई द्वारा भूमिगत अथवा ओवरहेड लाइन से ले जाकर नए परिवर्तन स्थापित कर ड्रॉप बिजली की समस्या से निजात दिलाया जाना अति आवश्यक है। पूर्व में उपखंड अधिकारी वह तत्कालीन अधिशासी अभियंता महोदय के संज्ञान में लगातार लाया गया तथा लिखित में भी प्रतिवेदन दिया गया था। हमें पूर्ण आशा है कि आपके कुशल नेतृत्व में विद्युत आपूर्ति को बेहतर करने के लिए नए परिवर्तन लगाने तथा लम्बी दूरी को समाप्त करने के लिए नई लाइन विस्तारित कार्य को अभिलंब करने की कृपा करें जिससे जनता आपकी आभारी रहेगी।

वैश्य समाज द्वारा एकादशी पर मीठे जल की छबील लगाई गई

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। वैश्य समाज मोदीनगर के तत्वावधान में दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग पर डिग्री कॉलेज के सामने मीठे जल की छबील लगाई गई। गर्मी के मौसम में लोगों ने शरबत ग्रहण किया। देवराज मित्तल (संयोजक) ,डॉ ब्रजभूषण बंसल (अध्यक्ष), डॉ अनुज गर्ग(महामंत्री) अश्विनी गुप्ता (कोषाध्यक्ष) ने कहा कि गर्मी के इस मौसम में, प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य माना गया है। हमें इस पुण्य कार्य में सहभागी बनना चाहिए। मानव सेवा का संदेश फैलाएं। परोपकार से बड़ा कोई धर्म नहीं, प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ी सेवा है। इस मौके पर संजय सिंघल अनिल गोयल मुकेश गुप्ता सुदेश मित्तल रजनी मित्तल कृष्ण कुमार गुप्ता डॉक्टर संजय गुप्ता आसाराम गुप्ता अभिषेक मित्तल नवीन जायसवाल राजेंद्र गोयल अशोक गुप्ता मनोज संघी सागर मित्तल रविंद्र बंसल सर्वेश मित्तल अनंत मित्तल श्रीमती रजनी मित्तल प्राची मित्तल शौर्य मित्तल आरविका मित्तल एकरथ मित्तल ने सेवा कर धर्म लाभ उठाया। इसके अतिरिक्त निवर्तमान जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष अशोक महेश्वरी वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली एवं अजय गुप्ता ने भी सेवा कर धर्म लाभ उठाया।

गंगनहर में अपहृत युवक ओमकार की तलाश तेज, पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। थाना लोनी में पंजीकृत मुकदमा संख्या 152/2026, धारा 109(1), 140(3), 3(5)/61(2) बीएनएस से संबंधित अपहृत युवक ओमकार पुत्र राममहर की तलाश के लिए पुलिस द्वारा गठित विशेष टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। पुलिस टीमों ने गंगनहर क्षेत्र में स्थानीय लोगों से पूछताछ कर महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाईं तथा संभावित स्थानों पर व्यापक सर्च अभियान चलाया। युवक का पता लगाने के लिए नहर और आसपास के इलाकों में गहन खोजबीन की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अपहृत युवक की शीघ्र बरामदगी के लिए सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है।

स्थानीय लोगों से भी सहयोग लेकर सर्च ऑपरेशन को और तेज किया गया है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को ओमकार के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि युवक को सुरक्षित बरामद किया जा सके। जांच और तलाश अभियान लगातार जारी है।

आई आई ए मोदीनगर चैप्टर द्वारा मुख्य मार्ग के निकट बने पीर की मजार को हटाए जाने की मांग की

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। इंडियन इंडस्ट्री एसोसिएशन मोदीनगर चैप्टर द्वारा ने एक ज्ञापन एसडीएम के नाम नायब तहसीलदार को सौपा। जिसमें दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग पर मेट्रो स्टेशन के निकट बने पीर की मजार को हटाए जाने की मांग की है।

ज्ञापन के माध्यम से आई आई ए ने एसडीएम को अवगत कराया कि सिखैडा रोड मोदीनगर में साथ मेट्रो स्टेशन के पास एक पीर की मजार बनी हुयी है, जिससे वहां जाम की स्थिति बनी रहती है। राजस्व रिकार्ड मे भी उरोक्त मजार कही दर्ज नही है तथा तहसीलदार मोदीनगर द्वारा अपनी जांच रिपोर्ट में अपने इस आशय की जांच रिपोर्ट प्रेषित की गयी थी कि उपरोक्त मजार अवैध है।

जिस कारण उपरोक्त मजार को जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए, जनहित जनसुरक्षा को ध्यान में रखते हुये धवस्त कराकर सरकारी भूमि अतिक्रमण मुक्त करायी जानी आवश्यक व न्यायोचित हैं।

17 दिवसीय एहसास समर कैंप का भावपूर्ण समापन: बच्चों की आंखों में छलके विदाई के आंसू

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गोविंदपुरी स्थित निष्काम भवन में एहसास महिला समिति द्वारा आयोजित 17 दिवसीय समर कैंप का भव्य एवं भावनात्मक समापन समारोह संपन्न हुआ। लगभग तीन सप्ताह तक चले इस विशेष समर कैंप में बच्चों को शिक्षा, संस्कार, व्यक्तित्व विकास, कला, संस्कृति एवं विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सीखने और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया गया। समापन समारोह में मोदीनगर क्षेत्र की विधायक डॉ. मंजू शिवाच एवं निष्काम सेवक जत्था समिति के मुख्य संरक्षक चानन लाल ढींगरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

दोनों अतिथियों के कर-कमलों द्वारा समर कैंप का विधिवत समापन किया गया। इस अवसर पर विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने एहसास महिला समिति के इस अभिनव प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह अपने आप में एक अनूठी एवं प्रेरणादायक पहल है। निष्काम सेवक जत्था समिति के मुख्य संरक्षक चानन लाल ढींगरा ने अपने संबोधन में कहा कि एहसास महिला समिति, निष्काम परिवार का एक अभिन्न अंग है और समाज सेवा के ऐसे प्रत्येक कार्य में निष्काम सेवक जत्था समिति एवं निष्काम क्लब की पूरी टीम सदैव उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने समिति के सभी पदाधिकारियों एवं स्वयंसेवकों को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। समापन समारोह के दौरान समर कैंप में प्रतिभाग करने वाले सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं कैंप को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सभी अध्यापिकाओं एवं प्रशिक्षकों को स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका सम्मान एवं आभार व्यक्त किया गया। एहसास महिला समिति की संस्थापक अनुप्रीत कौर ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, प्रशिक्षकों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस समर कैंप को मिले अपार प्रेम और समर्थन ने समिति को और अधिक उत्साह प्रदान किया है। इस अवसर पर एहसास महिला समिति की ओर से अनुप्रीत कौर, गुरमीत गुप्ता एवं उनकी पूरी टीम ने निष्काम सेवक जत्था समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उनके सहयोग, मार्गदर्शन एवं समर्पण के बिना इस भव्य आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न करना संभव नहीं था। समापन समारोह में निष्काम सेवक जत्था समिति की पूरी टीम उत्साहपूर्वक उपस्थित रही और बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम को यादगार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में निष्काम सेवक जत्था समिति के संरक्षक दिलीप शर्मा, संरक्षक धीरज कालरा, अध्यक्ष जसमीत सिंह सहित एहसास महिला समिति के अनेक पदाधिकारी, सदस्य, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष का जन्मोत्सव संकल्प दिवस के रूप में मनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल मोदीनगर , द्वारा प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम दास के जन्मोत्सव को संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया ' मेरठ मंडल के अध्यक्ष प्रदीप बोस ने बताया कि सर्वप्रथम उनके जन्मदिन का केक काटकर उन्हें दीघार्यु की शुभकामनाएं दीं, साथ ही भीषण गर्मी में सड़क पर चल रहे लोगों में शर्बत का वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष का जन्मदिन पूरे प्रदेश में संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। सभी व्यापारी भाइयों ने पूरे प्रदेश में संकल्प लेते हुए एक ही आवाज में संकल्प लिया। व्यापार संगठन हमेशा व्यापरियों के हित में हमेशा व्यापारियों के साथ हर समस्या में उसके साथ रहेगा व हमेशा उसकी समस्याओं का निराकरण करवाएगा।

इस मोके पर नगर अध्यक्ष मेहराम चंदेला ,महामंत्री हिमांशु सिंघल,विपिन चौधरी,सुबोध जैन,विजय मलिक, संदीप मित्तल,अमित गर्ग,नीरज गर्ग,मुकेश चौहान,संजय शर्मा,योगेश सैन शशिकांत शर्मा आदि मौजूद थे।

लोनी में खून का खेल: घर से बुलाकर युवक की चाकू मारकर हत्या, बदले की आशंका

मृतक

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। लोनी कोतवाली क्षेत्र की आशियाना सिटी कॉलोनी में पुरानी रंजिश ने एक युवक की जान ले ली। 22 वर्षीय तस्लीम पुत्र असगर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक दिल्ली के बहादुरगढ़ में नाई की दुकान पर काम करता था। परिजनों का आरोप है कि यह वारदात वर्ष 2025 में हुए यूनुस हत्याकांड का बदला लेने के लिए अंजाम दी गई है। उनका कहना है कि तस्लीम उस मामले में आरोपी था और जनवरी 2026 में जमानत पर जेल से बाहर आया था। जेल से छूटने के बाद उसे जान से मारने की धमकियां भी मिली थीं, जिसकी शिकायत पुलिस को दी गई थी। बताया गया है कि बीती शाम तस्लीम को घर से बुलाकर ले जाया गया, जहां उस पर चाकुओं से हमला कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल तस्लीम ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक के परिजनों ने इसे ह्हत्या के बदले हत्याह्व करार देते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है और फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा। हत्या की इस वारदात के बाद क्षेत्र में दहशत और तनाव का माहौल बना हुआ है।

जेवर एयरपोर्ट तक अब सफर होगा आसान, 14 जून से शुरू होगी ई-बस सेवा

कपिल चौहान

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर एयरपोर्ट) के लिए 14 जून से ई-बस सेवा का संचालन शुरू किया जाएगा। एयरपोर्ट के वाणिज्यिक संचालन से पहले शुरू की जा रही यह सुविधा क्षेत्रवासियों और यात्रियों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगी।

इस नई सेवा के माध्यम से नोएडा, ग्रेटर नोएडा और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को एयरपोर्ट तक सीधी, सुरक्षित और किफायती कनेक्टिविटी मिलेगी।

ई-बसों के संचालन से यात्रियों की यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी और उन्हें निजी वाहनों पर कम निर्भर रहना पड़ेगा। पर्यावरण अनुकूल ई-बस सेवा न केवल यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाएगी, बल्कि क्षेत्र में सार्वजनिक परिवहन को भी नई मजबूती प्रदान करेगी।

अधिकारियों का कहना है कि एयरपोर्ट शुरू होने से पहले परिवहन सुविधाओं का विस्तार यात्रियों के लिए लाभकारी साबित होगा। जेवर एयरपोर्ट को देश के प्रमुख हवाई अड्डों में शामिल करने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास और बेहतर कनेक्टिविटी की दिशा में सकारात्मक पहल बताया है।

गाजियाबाद प्रीमियर लीग में रोमांचक मुकाबले का आगाज, विधायक संजीव शर्मा ने किया टॉस

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। राजनगर एक्सटेंशन स्थित अल्फा क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित गाजियाबाद प्रीमियर लीग क्रिकेट टूनार्मेंट के अंतर्गत साइकिंग्स एवं रैना सुपर किंग्स के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। मैच शुरू होने से पूर्व गाजियाबाद के विधायक संजीव शर्मा ने टॉस कराया। उनके मैदान पर पहुंचते ही खिलाड़ियों और दर्शकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला।

टॉस में साइकिंग्स टीम ने जीत हासिल कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया।

इस अवसर पर विधायक संजीव शर्मा ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया तथा उनका उत्साहवर्धन करते हुए शानदार प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं हैं, बल्कि अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और सकारात्मक सोच विकसित करने का सशक्त माध्यम भी हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों से जोड़ने वाले ऐसे आयोजन प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। इस दौरान आयोजक मंडल, खेल प्रेमी एवं बड़ी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में दिखी इंसानियत की मिसाल, डीएम ने विधवा को सौंपे 22 हजार रुपये

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जनपद में चलाया जा रहा 'गरीब का गृह प्रवेश' अभियान अब गरीबों, बेसहारों और पीड़ितों के लिए न्याय की उम्मीद बनता जा रहा है। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते जनसुनवाई में सहायता की आस लेकर आने वाले लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने कहा कि किसी भी गरीब या कमजोर व्यक्ति की भूमि, मकान अथवा अन्य संपत्ति पर यदि भू-माफिया या दबंगों ने अवैध कब्जा कर रखा है, तो प्रशासन उसे न्याय दिलाने के लिए पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता से कार्य करेगा। उन्होंने लोगों से आगे आकर अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखने की अपील की। इसी दौरान जनसुनवाई में वसुंधरा निवासी 70 वर्षीय विधवा सत्या शर्मा ने अपनी पेंशन बंद होने और आयुष्मान कार्ड न बनने की समस्या जिलाधिकारी को बताई। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने तत्काल संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए और उनका आयुष्मान कार्ड बनवाने की प्रक्रिया शुरू कराई। साथ ही जुलाई माह से विधवा पेंशन पुनः शुरू कराने का आश्वासन भी दिया। वृद्ध महिला की आर्थिक स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी ने अपनी परीक्षा ड्यूटी से प्राप्त लगभग 22 हजार रुपये की मानदेय राशि उन्हें सहायता स्वरूप प्रदान कर दी। डीएम के इस संवेदनशील और मानवीय कदम की जनसुनवाई में मौजूद लोगों ने मुक्तकंठ से सराहना की। जनसुनवाई में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में डीसीपी नगर ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिण्डन धवल जायसवाल ने अपने कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान शिकायत लेकर पहुंचे नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

डीसीपी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान पुलिस की प्राथमिकता है तथा शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनसुनवाई के दौरान आए प्रत्येक प्रकरण की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर फरियादियों को आश्वस्त किया गया कि उनकी शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें न्याय दिलाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। पुलिस प्रशासन की इस पहल से आम नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे उच्च अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है।

कैलाश धाम की ओर बढ़े कदम: मानसरोवर यात्रा के दूसरे जत्थे का गाजियाबाद में भव्य स्वागत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद कैलाश मानसरोवर यात्रा-2026 के अंतर्गत इंदिरापुरम स्थित कैलाश मानसरोवर भवन में यात्रा के दूसरे जत्थे का श्रद्धा, सम्मान और आत्मीयता के साथ भव्य स्वागत किया गया। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 48 श्रद्धालुओं और 2 लायजन ऑफिसरों सहित कुल 50 सदस्यों का अभिनंदन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आस्था, अध्यात्म और भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण-संवर्धन के संकल्प के अनुरूप जीडीए इस वर्ष की कैलाश मानसरोवर यात्रा के सफल संचालन के लिए विशेष व्यवस्थाएं कर रहा है। अनुमान है कि इस वर्ष करीब 1,000 श्रद्धालु इस पावन यात्रा में शामिल होंगे। पांच दिवसीय प्रवास के दौरान यात्रियों के लिए योग एवं प्राणायाम, स्वास्थ्य परीक्षण, फिटनेस प्रमाणन, वीजा संबंधी औपचारिकताओं, सुरक्षित आवास, सात्विक भोजन, 24 घंटे चिकित्सा सुविधा और एम्बुलेंस सेवा जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही भजन-संध्या और आध्यात्मिक कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण प्रदान किया जा रहा है। जीडीए अधिकारियों द्वारा यात्रा व्यवस्थाओं की लगातार निगरानी की जा रही है ताकि प्रत्येक शिवभक्त को सुरक्षित, सुविधाजनक और आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त हो सके। प्राधिकरण ने सभी श्रद्धालुओं की सफल, सुरक्षित और मंगलमय कैलाश मानसरोवर यात्रा की कामना की है।

जिमों पर प्रशासन की पैनी नजर: अब असली नाम वाला आई-कार्ड पहनेंगे ट्रेनर, डीएम ने गठित की जांच टीम

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद शामली में जिम ट्रेनर से जुड़े कथित धर्मांतरण प्रकरण के बाद गाजियाबाद जिला प्रशासन सतर्क हो गया है। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार एम ने जिले के सभी जिमों का सत्यापन कराने के निर्देश जारी करते हुए अपर जिलाधिकारी (नगर) के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की है। डीएम के निदेर्शानुसार अब सभी जिम ट्रेनरों को कार्य के दौरान अपना आई-कार्ड पहनना अनिवार्य होगा, जिस पर उनका वास्तविक नाम दर्ज होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी ट्रेनर की पहचान छिपाने वाले नाम या विवरण को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही जिमों में कार्यरत सभी ट्रेनरों का विस्तृत डाटा भी तैयार किया जाएगा।

गठित टीम जिले के विभिन्न जिमों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेगी कि प्रशासन के निदेर्शों का पालन हो रहा है या नहीं। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई भी की जा सकती है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिमों में बड़ी संख्या में महिलाएं आती हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा और विश्वास बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की जा रही है ताकि महिलाओं को सुरक्षित और पारदर्शी माहौल में व्यायाम करने का अवसर मिल सके। डीएम ने एडीएम सिटी को निर्देश दिए हैं कि सभी जिमों में जल्द से जल्द आई-कार्ड व्यवस्था लागू कराई जाए और समय-समय पर इसकी निगरानी भी सुनिश्चित की जाए।

केमिकल-इंक गोदाम में भीषण आग, 7 दमकल गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद पाया काबू

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद के नंदग्राम स्थित आदर्श नगर में गुरुवार दोपहर एक केमिकल एवं इंक गोदाम में भीषण आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। आग से उठते काले धुएं और ऊंची लपटों ने आसपास के लोगों में दहशत पैदा कर दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बड़े स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया।

दिनांक 11 जून 2026 को दोपहर 2:05 बजे फायर स्टेशन कोतवाली को आरएनजी ट्रेडिंग कंपनी, खसरा नंबर-159, आदर्श नगर नंदग्राम स्थित केमिकल और इंक गोदाम में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी चार फायर टेंडरों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। मौके पर आग की भयावह स्थिति को देखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देश पर फायर स्टेशन वैशाली से दो वाटर ब्राउजर एवं एक अतिरिक्त फायर टेंडर तथा फायर स्टेशन साहिबाबाद से भी दमकल वाहन बुलाए गए। कुल सात दमकल गाड़ियों की मदद से आग बुझाने का अभियान चलाया गया।

आग की तीव्रता और घने धुएं के कारण राहत कार्य में काफी कठिनाई आई। फायर कर्मियों ने बीए सेट (श्वसन उपकरण) पहनकर लगातार फोम की पंपिंग की और कड़ी मेहनत व सूझबूझ का परिचय देते हुए आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया।

दमकल विभाग की तत्परता से आग को आसपास स्थित अन्य गोदामों और आवासीय भवनों तक फैलने से रोक लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। भवन के भूतल पर इंक का गोदाम था, जबकि ऊपरी मंजिल पर रबर स्टैंप बनाने का कार्य किया जाता था। अधिकारियों के अनुसार इस अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

बोस्टन में डॉ. यश चिकारा को मिला प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान

संक्रामक रोग नियंत्रण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए हुए सम्मानित, न्यूयॉर्क स्टेट हेल्थ डिपार्टमेंट से 75 वर्षों में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले विशेषज्ञ बने

वेलकम इंडिया संवाददाता

बोस्टन (अमेरिका)। सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं संक्रामक रोग नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले भारतीय मूल के विशेषज्ञ डॉ. यश चिकारा को अमेरिका के प्रतिष्ठित काउंसिल ऑफ स्टेट एंड टेरिटोरियल एपिडेमियोलॉजिस्ट्स (CSTE) के वर्ष 2026 के वार्षिक सम्मेलन में 'संक्रामक रोग' श्रेणी के सम्मान से नवाजा गया है। यह सम्मेलन बोस्टन में आयोजित हुआ, जिसमें देशभर से हजारों महामारी विज्ञानी, सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ और शोधकर्ता शामिल हुए।

डॉ. चिकारा की यह उपलब्धि कई मायनों में ऐतिहासिक मानी जा रही है। वे न्यूयॉर्क स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ से जुड़े ऐसे पहले विशेषज्ञ बन गए हैं जिन्हें पिछले 75 वर्षों में इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए चुना गया है। उनकी इस सफलता को सार्वजनिक स्वास्थ्य जगत में बड़ी उपलब्धि और प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में देखा जा रहा है। डॉ. यश चिकारा ने संक्रामक रोगों की निगरानी, रोकथाम और नियंत्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने विभिन्न रोगों के प्रसार की पहचान, महामारी संबंधी आंकड़ों के विश्लेषण तथा प्रभावी नियंत्रण रणनीतियों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके प्रयासों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य नीतियों को अधिक प्रभावी बनाने और रोग नियंत्रण प्रणाली को सुदृढ़ करने में योगदान दिया है। सम्मेलन के दौरान उनके नेतृत्व, शोध कार्यों और जनस्वास्थ्य के प्रति समर्पण को विशेष रूप से सराहा गया। विशेषज्ञों का मानना है कि डॉ. चिकारा के कार्यों ने महामारी विज्ञान के क्षेत्र में नई दिशा प्रदान की है तथा संक्रामक रोगों से निपटने की क्षमता को मजबूत किया है। स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े अनेक विशेषज्ञों ने कहा कि यह सम्मान केवल डॉ. चिकारा की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि उन सभी जनस्वास्थ्य कर्मियों और शोधकताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है जो समाज को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

डॉ. चिकारा की इस उपलब्धि पर उनके सहयोगियों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और विभिन्न संस्थाओं ने उन्हें बधाई दी है। सभी ने इसे सार्वजनिक स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण के क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

पीएम सूर्यघर योजना को रफ्तार: 245 लंबित ऋण मामलों के निस्तारण के निर्देश

कपिल चौहान

गौतमबुद्धनगर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न बैंकों द्वारा लंबित ऋण प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सीडीओ ने बैंक अधिकारियों को आगामी तीन दिनों के भीतर सभी 245 लंबित मामलों का निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में पीएम सूर्यघर योजना के अंतर्गत ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। सीडीओ ने पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, इंडियन बैंक और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया समेत अन्य बैंकों के प्रतिनिधियों को पात्र लाभार्थियों के ऋण आवेदनों का समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से निस्तारण करने को कहा।

उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य आम नागरिकों को सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना तथा बिजली खर्च में कमी लाना है। इसलिए बैंक ऋण वितरण प्रक्रिया में तेजी लाकर अधिक से अधिक परिवारों को योजना का लाभ दिलाया जाए। बैठक में बैंक प्रतिनिधियों ने निर्धारित समयसीमा में लंबित प्रकरणों का निस्तारण करने का आश्वासन दिया। सीडीओ ने अधिकारियों को योजना की नियमित मॉनिटरिंग और दैनिक समीक्षा के भी निर्देश दिए, ताकि शासन की प्राथमिकता वाली इस योजना के लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित हो सके। बैठक में जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं परियोजना अधिकारी यूपी नेडा लवेश कुमार सिसोदिया, उपयुक्त उद्योग पंकज निर्वाण, जिला लीड बैंक प्रबंधक राजेश कटारिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता जी स्व. श्री निर्मल सिंह का देहांत दिनांक 05/07/2019 को हो गया था, उनके बचत खाते 30700110010037 (जो कि यूको बैंक, इन्दरगढ़ी में है) में मैं नामिनी हूं, जिसमें मेरा नाम रविन्द्र कुमार दर्ज है। जबकि मेरा नाम आधार कार्ड में रवि कुमार है। आपको सूचित करना चाहता हूं किकि रवि कुमार और रविन्द्र कुमार दोनों मेरे ही नाम हैं।

रवि कुमार पुत्र स्व. श्री निर्मल
निवासी- ग्राम नायफल, पो. डासना,
तहसील व जिला गाजियाबाद।